CNEWS सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-127
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार
क्रोध में लिया गया फैसला अधिकतर गलत सिद्ध होता है।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

इंदौर, शनिवार 10 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

सिंगल कॉलम

अब बैंक खाते में दर्ज करा सकेंगे चार नॉमिनी, बैंकिंग लॉ बिल पेश

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को लोकसभा में बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक, 2024 पेश किया। इस विधेयक में ऐसा प्रावधान किया गया है कि हरेक बैंक खाताधारक एक खाते के लिए चार नॉमिनी तक दर्ज करा सकेगा। अभी तक एक बैंक खाते में एक ही नॉमिनी का उल्लेख करने का नियम है। अगर यह बिल संसद से पारित होता है तो अब नॉमिनी को बढ़ाकर चार तक किया जा सकता है। हालांकि, यह वैकल्पिक प्रावधान होगा। प्रस्तावित विधेयक में एक और बड़े बदलाव की बात कही गई है। इसके तहत कंपनी के निदेशकों के सबस्टेंशियल इंटरेस्ट को फिर से परिभाषित किया गया है और इसके तहत 5 लाख रुपए की वर्तमान सीमा को बढ़ाकर 2 करोड़ रुपये तक किया गया है, जो लगभग छह दशक पहले तय की गई थी। लोकसभा में विपक्ष के कुछ सदस्यों ने सदन में यह विधेयक पेश किए जाने का विरोध किया। कांग्रेस के मनीष तिवारी ने कहा कि सहकारी समितियों और सहकारी बैंकों से जुड़े कानूनों में संशोधन का अधिकार राज्यों को है। उन्होंने इस संबंध में विधायी अधिकारों को लेकर अस्पष्टता की भी बात कही। उन्होंने कहा कि सहकारी समितियों पर केंद्र नियंत्रण कर सकता है या नहीं, इस पर विरोधाभास है।

सीएए के तहत नागरिकता पाने के लिए अब कोई भी दस्तावेज मान्य होगा

नई दिल्ली। नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) के तहत नागरिकता पाने वालों के लिए केंद्र सरकार ने अच्छी खबर दी है। दरअसल सरकार ने सीएए के तहत जारी नियमों का दायरा बढ़ा दिया है। इस कानून के जरिये अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान से प्रताड़ित होकर आने वाले अल्पसंख्यकों को भारतीय नागरिकता दी जाएगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि केंद्र या राज्य सरकार या भारत में अर्ध-न्यायिक निकाय द्वारा जारी किया गया कोई भी दस्तावेज स्वीकार्य होगा, जो यह साबित करता हो कि माता-पिता, दादा-दादी या परदादा-परदादी में से कोई भी इन तीनों देशों में से किसी एक के नागरिक हैं या रहे हैं। गृह मंत्रालय का यह स्पष्टीकरण तब आया जब सीएए के तहत भारतीय नागरिकता चाहने वाले कई आवेदकों को नागरिकता (संशोधन) नियम, 2024 के एक विशेष खंड के कारण कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। गृह मंत्रालय ने अपने नवीनतम स्पष्टीकरण में कहा है कि यह स्पष्ट किया जा सकता है कि अनुसूची-ए के क्रम संख्या 8 के तहत दस्तावेजों में केंद्र सरकार/राज्य सरकार/भारत में किसी न्यायिक या अर्ध न्यायिक निकाय द्वारा जारी कोई भी दस्तावेज जैसे भूमि रिकॉर्ड, न्यायिक आदेश आदि शामिल हो सकते हैं, जो यह दर्शाते हैं कि आवेदक या उसके माता-पिता या दादा-दादी या परदादा-परदादी अफगानिस्तान, बांग्लादेश या पाकिस्तान के नागरिक थे।

गाजा में स्कूल पर हवाई हमला

इजराइल ने दागे 3 रॉकेट,100 से ज्यादा की मौत

गाजा। शनिवार सुबह इजराइल ने एक स्कूल पर हवाई हमला किया। इस हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। गाजा की सिविल डिफेंस एजेंसी के प्रवक्ता महमूद बासल ने बताया कि तीन इजराइली रॉकेटों ने स्कूल को निशाना बनाया। इस स्कूल में विस्थापित फिलिस्तीनी शरण ले रहे थे। घटना के बाद इलाके में राहत कार्य जारी हैं। इमारत में लगी आग को बुझाने की कोशिश की जा रही है इजरायली सेना ने कहा कि हमने गाजा सिटी के अल-सहबा क्षेत्र में स्थित अल-तबाईन स्कूल को निशाना बनाया, क्योंकि इस स्कूल में हमास आतंकवादी कमांड सेंटर संचालित

हो रहे थे। इजरायली सेना ने दावा किया कि यह हमला सटीकता के साथ किया गया, ताकि कम से कम नागरिकों को नुकसान पहुंचे। वहीं, गाजा की सरकार ने इसे एक भयानक नरसंहार बताया है। इजराइली सेना ने कहा है कि इस स्कूल में हमास का अड्डा चल रहा था, इसलिए हमने इसे उड़ा दिया। गाजा में इजरायली हमले के बाद राहत कार्यों को करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, स्कूल में फंसे महिलाओं और बच्चों को बचाने में कठिनाइयां हो रही हैं, क्योंकि इजराइली अफसरों ने इलाके में पानी की आपूर्ति रोक दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, शनिवार जिस समय स्कूल पर रॉकेट दागे गए, उस समय स्कूल में सुबह की प्रार्थना हो रही थी। हमले में कई बच्चों और शिक्षकों की भी मौत हुई है। बता दें कि गाजा और इजरायल के बीच बीते एक साल से युद्ध जारी है। इस युद्ध की शुरुआत हमास के 7 अक्टूबर के हमले से हुई थी, जिसमें 1,198 लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना के जवाब में इजरायली सेना ने गाजा में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू किया, जिसमें अब तक 39,699 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। इजरायल ने हमास को पूरी तरह से खत्म करने का संकल्प लिया है। इजराइली सेना का कहना है कि वह दक्षिण गाजा के खान यूनिस शहर के आसपास भी अभियान चलाया जा रहा है। संयुक्त राष्ट्र मानवीय कार्यालय ने बताया कि पिछले 72 घंटों में कम से कम 60,000 फिलिस्तीनी पश्चिमी खान यूनिस की ओर चले गए हैं। अब इस युद्ध में ईरान समर्थित ग्रुप्स ने भी हमास की मदद शुरू कर दी है। ऐसे में मिडल ईस्ट में युद्ध की आशंका बढ़ गई है।

हॉकी टीम के खिलाड़ी विवेक को एक करोड़ देगी मोहन सरकार

भोपाल। भारतीय पुरुष हॉकी टीम से पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीता है। इस टीम में मध्यप्रदेश के हॉकी खिलाड़ी विवेक सागर प्रसाद भी शामिल हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने विवेक सागर से की वीडियो कॉल पर बात कर जीत की बधाई दी। साथ ही उन्हें एक करोड़ रुपए का ईनाम देने की घोषणा की है। सीएम डॉ. यादव ने कहा कि ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी और हमारे मध्यप्रदेश के गौरव विवेक सागर प्रसाद को वीडियो कॉल के माध्यम से बात कर बधाई और शुभकामनाएं दीं।

मध्यप्रदेश सरकार की ओर से विवेक को एक करोड़ रुपए दिए जाएंगे। जिस लगन और परिश्रम से टीम ने देश को गौरवान्वित किया है, वह प्रशंसनीय है। बता दें कि ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने भी हॉकी टीम के लिए प्राइज मनी की घोषणा की है। उन्होंने भारतीय टीम के डिफेंडर अमित रोहिदास को 4 करोड़ रुपए की प्राइज मनी देने का ऐलान किया है। इसके साथ बाकी टीम के खिलाड़ियों को 15-15 लाख रुपए देने की घोषणा की है। सपोर्ट स्टाफ को भी 10 लाख रुपए मिलेंगे। टीम इंडिया ने ओलंपिक्स में लगातार दूसरी बार ब्रॉन्ज मेडल जीता है और 52 सालों में ऐसा कारनामा किया है। इस शानदार उपलब्धि के बाद खिलाड़ियों पर पुरस्कारों की झड़ी लग गई है। इससे पहले भारतीय टीम ने टोक्यो 2020 में 41 साल का सूखा समाप्त कर भी कांस्य पदक जीता था। हॉकी के ओलंपिक इतिहास में लगातार दूसरी बार भारत के ब्रॉन्ज मेडल जीतकर परचम लहराया है।

सत्र स्थगित होने के बाद अनौपचारिक 'चाय पर चर्चा' आयोजित की गई

लोकसभा की कार्यवाही शुक्रवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। सत्र स्थगित होने के बाद अनौपचारिक 'चाय पर चर्चा' आयोजित की गई। इस चर्चा का नजारा देखते ही बन रहा था। एक-दूसरे के विरोधी साथ बैठे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, लोकसभा स्पीकर ओम बिरला और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बीच यहां 'दूरियां' नहीं थीं। चाय पर चर्चा के दौरान राहुल गांधी ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से यूक्रेन की स्थिति के बारे में पूछा, जिस पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत इस पर कड़ी नजर रख रहा है। इस दौरान लोकसभा स्पीकर ने सत्र के दौरान सदन की कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने के लिए प्रधानमंत्री, संसदीय कार्य मंत्रियों, नेता प्रतिपक्ष, विभिन्न दलों के नेताओं और सांसदों के प्रति आभार भी व्यक्त किया।

महाकाल मंदिर की सुरक्षा में चूक: बीजेपी विधायक का बेटा का काफिला लेकर महाकाल लोक में घूसा

सिर पर सवार 'वीआईपी कल्चर'

पुलिस ने की भजपा विधायक के बेटे की गाड़िया जब्त

उज्जैन। उज्जैन में महाकाल लोक (परिसर) की सुरक्षा में बड़ी चूक का मामला सामने आया है। बीजेपी विधायक का बेटा अपनी गाड़ियों का काफिला लेकर मंदिर परिसर में घुस गया जिसके बाद डीएम और एसपी ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आदेश दिया। इसके बाद विधायक के बेटे की गाड़ियों को फौरन जब्त कर लिया गया। दरअसल शुक्रवार को नागपंचमी के मौके पर महाकाल मंदिर में लाखों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी थी। इसी बीच महाकाल लोक की सुरक्षा व्यवस्था को बगैर परवाह किए देवास से बीजेपी

विधायक गायत्री राजे पंवार के बेटे विक्रम सिंह पंवार अपनी गाड़ियों के काफिले के साथ महाकाल लोक के परिसर में प्रवेश कर गए। इस घटना के बाद वहां मौजूद प्रशासनिक अधिकारियों का पारा चढ़ गया। उन्होंने न सिर्फ गाड़ी के ड्राइवर को डांटा बल्कि तुरंत गाड़ियों को वहां से निकालने को कहा। इसके बाद डीएम और एसपी ने काफिले की गाड़ियों को जब्त करने का आदेश दे दिया। इसके बाद पुलिस ने विधायक के बेटे के काफिले में शामिल चार गाड़ियों को जब्त कर लिया। **वीआईपी गाड़ियों का प्रवेश भी प्रतिबंधित-** यह घटना शुक्रवार दोपहर 3.30 बजे हुई। महाकाल लोक के इस परिसर में वीआईपी गाड़ियों का प्रवेश भी प्रतिबंधित है। इस जगह से वीआईपी व्यक्तियों को पैदल या ई-कार्ट के माध्यम से मंदिर तक पहुंचाया जाता है। इसके बावजूद, विधायक पुत्र का काफिला सीधे कंट्रोल रूम से होते हुए महाकाल लोक और फिर मानसरोवर तक पहुंच गया। इस दौरान वहां तैनात सुरक्षाकर्मियों में अफरातफरी मच गई और उन्होंने गाड़ियों को रोकने का प्रयास किया। **डीएम-एसपी भी कंट्रोल रूम में देख रहे थे व्यवस्था-** घटना के समय उज्जैन के कलेक्टर नीरज सिंह और एसपी प्रदीप शर्मा कंट्रोल रूम में व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर रहे थे। जब उन्होंने गाड़ियों का काफिला महाकाल लोक में देखा, तो उन्होंने त्वरित कार्रवाई करते हुए गाड़ियों को रोकने के लिए दौड़ लगाई। गाड़ी के ड्राइवर से तीखी बहस के बाद, उन्होंने गाड़ियों को जब्त करने का आदेश दे दिया। हालांकि, इस दौरान विक्रम सिंह पंवार पहले ही महाकाल मंदिर में दर्शन करने पहुंच चुके थे।

अनाधिकृत तरीके से प्रवेश
गाड़ियों के काफिले ने अनाधिकृत तरीके से प्रवेश किया। सभी गाड़ियों को जब्त कर थाने भेज दिया गया है। सभी पर चालानी कार्रवाई की जाएगी।
-नीरज सिंह, कलेक्टर, उज्जैन

नीरज चोपड़ा और अरशद नदीम की माओं ने भी जीता दुनिया का दिल

नई दिल्ली। मां का प्यार दुनिया की सबसे गहरी और शक्तिशाली ताकतों में से एक है। गुरुवार को पेरिस ओलंपिक में भाला फेंक स्पर्धा में पाकिस्तान के अरशद नदीम के स्वर्ण और नीरज चोपड़ा के रजत जीतने के बाद दोनों की मां ने एक उदाहरण स्थापित किया है। उन्होंने उदाहरण स्थापित किया कि एक मां अपने बेटे की जीत का जश्न तो मनाती ही है, साथ ही प्रतिद्वंद्वी के लिए भी सर्वश्रेष्ठ की कामना करती है। अरशद नदीम की मां ने पेरिस ओलंपिक 2024 में पुरुषों की भाला फेंक के फाइनल में अपने बेटे के ऐतिहासिक स्वर्ण पदक का जश्न मनाया। वहीं, नीरज की मां सरोज ने कहा कि अरशद भी उनके बेटे की तरह हैं और वह उनके लिए खुश हैं। अब अरशद की मां की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। अरशद की मां ने कहा है कि वह नीरज को अरशद की तरह अपने बेटे के रूप में देखती हैं। उन्होंने

पाकिस्तानी समाचार चैनल से एक इंटरव्यू के दौरान कहा कि नीरज भी मेरे बेटे की तरह है। वह नदीम का दोस्त है और उसका भाई भी। जीत और हार खेल का हिस्सा हैं। भगवान उन्हें आशीर्वाद दे और वह खूब पदक जीतें। वे भाइयों की तरह है। मैंने नीरज के लिए भी प्रार्थना की। नदीम को जो दुआएं दीं, उसके लिए मैं पूरे पाकिस्तान की शुक्रगुजार हूं। नीरज और नदीम मैदान के बाहर काफी अच्छे दोस्त हैं, जबकि मैदान पर दोनों चिर प्रतिद्वंद्वी हैं। नीरज ने कई मौकों पर नदीम की मदद भी की है।

जो गोल्ड ले गया है वो भी हमारा लड़का- पानीपत में रहने वाली नीरज चोपड़ा की मां ने सरोज देवी ने कहा कि हम बहुत खुश हैं, हमारे लिए सिल्वर भी सोने के बराबर है। जो गोल्ड ले गया है वो भी हमारा लड़का है। मेहनत करके लेकर गया है। हर खिलाड़ी का दिन होता है। वह चोटिल हो गया था, इसलिए हम उसके प्रदर्शन से खुश हैं। जब वो (नीरज चोपड़ा) आएगा तो उसका फेवरेट खाना बनाऊंगी।

मां के प्यार की दुनियाभर में सराहना- नीरज और अरशद के बीच की दोस्ती दुनियाभर में प्रसिद्ध है। दोनों का एक-दूसरे के प्रति आपसी सम्मान, प्यार को दुनियाभर में सराहना मिलती है। दोनों की मांओं ने भी अपने निस्वार्थ स्वभाव को प्रस्तुत किया और अपने-अपने बयान से सीमापार भी फैंस के दिल जीते हैं। बता दें कि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने नीरज चोपड़ा को हराकर ओलंपिक चैंपियन का खिताब जीता। अरशद ने गुरुवार को 92.97 मीटर के रिकॉर्ड तोड़ थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता। वहीं रजत पदक विजेता नीरज चोपड़ा ने 89.45 मीटर के अपने सत्र के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ बैक-टू-बैक ओलंपिक पदक जीते। हालांकि, वह स्वर्ण से चूक गए। नीरज ने टोक्यो ओलंपिक 2020 में 87.58 मीटर का थ्रो फेंककर स्वर्ण अपने नाम किया था। तब नदीम पांचवें स्थान पर रहे थे।

CNEWS सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो मे दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

स्कूल में छात्राओं के कपड़े उतरवाने के मामले में सरकार को नोटिस

इंदौर। इंदौर के एक सरकारी कन्या विद्यालय में छात्राओं के साथ हुई अभद्रता के मामले में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ में शुक्रवार को सुनवाई हुई। एक जनहित याचिका दायर कर मामले की जांच की मांग की गई है। याचिकाकर्ता चिन्मय मिश्र के अनुसार, 2 अगस्त को स्कूल में अध्यापिका ने मोबाइल फोन ढूंढने के बहाने कम से कम छह छात्राओं के कपड़े उतारवाकर जांच की। इस घटना की शिकायत छात्राओं के अभिभावकों ने मल्हारगंज थाने में दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने पॉस्को कानून के तहत कार्रवाई नहीं की। याचिका में मांग की गई है कि मामले की जांच चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और एक सपोर्ट पर्सन के माध्यम से पॉस्को कानून के तहत की जाए। इसके अलावा, अदालत से निर्देश देने की भी अपील की गई है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। हाईकोर्ट ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नोटिस जारी कर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। अदालत ने सात दिन के भीतर अब तक की कार्रवाई की जानकारी देने का निर्देश दिया है। इस घटना ने एक बार फिर शिक्षण संस्थानों में छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं।

याचिका में अंतरिम सहायता के तौर पर मामले में चाइल्ड वेलफेयर कमेटी और सपोर्ट पर्सन की नियुक्ति कर, मामले की जांच पॉस्को कानून के अंतर्गत करने की मांग की गई है। मुख्य सहायता के रूप में न्यायालय से पॉस्को कानून की धारा 19 के अंतर्गत बच्चों के विरुद्ध होने वाले लैंगिक अपराधों की शिकायत दर्ज कर कार्यवाही की जाती है के पूर्ण पालन के लिए उचित दिशा निर्देश जारी करने का निवेदन किया है। धारा 39 के अंतर्गत सपोर्ट पर्सन नियुक्त करने और कार्य करने के लिए उचित दिशा निर्देश जारी करने का निवेदन किया है। इसी पर पहली सुनवाई में कोर्ट ने नोटिस जारी किए हैं।

रैली में एक लाख से समाजजन पहुंचे, पांच घंटे तक शहर का यातायात रहा प्रभावित

इंदौर। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर शुक्रवार को समाजजनों ने रैली निकाली, जो लालबाग से राजीव गांधी चौराहे तक निकाली गई। जहां आदिवासी संस्कृति और परंपरा की झलक देखी गई। अधिकांश आदिवासी वेशभूषा पहनकर पहुंचे। लोगों ने हाथों में तीर-कमान भी थाम रखा था। इकट्ठा होने लगे, जिसमें कर्मचारी-अधिकारी, विद्यार्थी व महिलाएं भी शामिल थे। सुबह 9.30 बजे लालबाग से रैली शुरू हुई, जो कलेक्टर कार्यालय से सिंधी कालोनी, टावर चौराहा से क्रांतिसूर्य टंटया भील चौराहे होते हुए राजीव गांधी चौराहे तक पहुंचे। करीब एक लाख समाजजन मौजूद थे। एक तरफ डीजे की धुन पर युवाओं आदिवासी गीतों पर थिरकते रहे। वहीं दूसरी तरफ पारंपरिक वेशभूषा में लोकनृत्य करते रहे। दोपहर 3 बजे राजीव गांधी स्थित शुभ कारज गार्डन पर खत्म हुई। सभा में आदिवासी संस्कृति, जीवन दर्शन, संवैधानिक प्रावधान, समस्याएं एवं समाधान, पदोन्नति में आरक्षण, आदिवास पर राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने, वनाधिकार मान्यता कानून में ग्राम सभा को सामुदायिक अधिकार पत्र देने सहित अन्य मांगों उठाई गई। लालबाग से शुरू हुई रैली को लेकर एक तरफ का रास्ता वाहनों के लिए बंद कर दिया। इसके चलते पूरे मार्ग पर यातायात प्रभावित होता रहा। वाहन आपस में उलझते रहे। इस वजह से कलेक्टर कार्यालय से लेकर टावर चौराहा तक जगह-जगह जाम लगा रहा।

घोषित ब्रीडिंग सेंटर नहीं फिर भी सबसे ज्यादा चिड़ियाघर की रौनक बने इंदौर के शेर

इंदौर। भले ही कमला नेहरू प्राणी संग्रहालय को शेरों की ब्रीडिंग का घोषित दर्जा प्राप्त नहीं है लेकिन फिर भी इंदौर के सबसे ज्यादा शेर देश के अन्य चिड़ियाघर की रौनक बने हुए है। पिछले पांच सालों में वन्य प्राणी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहते 25 शेरों को विभिन्न प्रदेश के अन्य चिडियाघरों को प्रदान किया गया है। इनके बदले हमें 20 से अधिक किस्म के पांच दर्जन से अधिक वन्य जन जीवन के विभिन्नता दर्शाने वाले वन्य प्राणी मिले हैं।16 घंटे आराम पसंद करने वाले जंगल का राजा के गर्दन पर गहरे भूरे बालों के बीच रौबदार चेहरा दर्शकों की पहली पसंद है। सोकर उठने के बाद जब शाम 4 से 5 बीच यह दहाड़ते है तो उनकी आवाज से तीन किलोमीटर का क्षेत्र गूंजता है। इस खास वक्त में उनकों निहारने के लिए शेरों को पसंद करने वालों का जमावड़ा लगता है।भले ही दुनियाभर में शेरों की संख्या घटी हो लेकिन इंदौर का चिडियाघर उनकी संख्या बढ़ाने में सफल रहा है।देश के चिड़ियाघर में शेरों की ब्रीडिंग में पहला नाम इंदौर और दूसरा जूनागढ़ गुजरात का आता है।अन्य चिड़ियाघर प्रबंधन की भी शेरों के लिए पहली पसंद इंदौर प्राणी संग्रहालय है। चिड़ियाघर के क्यरेटर एंड एजुकेशन ऑफिसर निहार पारुलकर बताते है कि शेरों की ब्रीडिंग में हम अव्वल है।हमारे शेरों की दहाड़ देशभर के चिड़ियाघर में सुनाई देती है. इसमें नंदन कानन (ओडिशा) जामनगर (गुजरात), छतबीर (पंजाब), भिवानी (हरियाणा), गदक चिडियाघर (कर्नाटक), पुणे (महाराष्ट्र) शामिल है।इनके बदले में हमें नंदन कानन से ब्लैक और व्हाइट टाइगर मिले है।

खजराना मंदिर की दानपेटियां खुली, सवा करोड़ से ज्यादा राशि निकली

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर की दानपेटियां खुलने के बाद रुपये गिनती की गई। मंगलवार से शुरू हुई गिनती शुक्रवार तक जारी रही। इस काम में 20 कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई। विदेशी मुद्रा के अलावा सोने के कुछ आभूषण भी दानपेटियों में से निकले। मंदिर में कुल 46 स्थानों पर दानपेटियां रखी गई थीं।

उन्हें पहले एक बडे हॉल में लाया गया। इसके बाद ताले खुलवाकर पहले नोटो की गड्डी जमाई गई। इसके बाद नोटों की गिनती शुरू हुई। फिलहाल 38 दान पेटियों में सवा करोड़ रुपये की राशि निकली है।

इंदौर में सबसे ज्यादा श्रद्धालु खजराना गणेश मंदिर में जाते हैं। यह दिन यहां आठ से दस हजार भक्त आते हैं। इनमें पर्यटकों की संख्या भी काफी रहती है। त्योहार व बुधवार वाले दिन भक्तों की संख्या दोगुनी हो जाती है। तीन से चार माह में मंदिर प्रबंधन समिति दानपेटियां खोलती है और प्राप्त दान को समिति के खाते में जमा किया जाता है।

दान पेटियों में दान के साथ भक्तों द्वारा अपनी प्रार्थना भी पर्चियों में लिखकर दान के साथ पेटियों में डाली गई। किसी

भाई ने अपनी बहन की शादी की प्रार्थना की तो किसी छात्र ने प्रतियोगी परीक्षा में सफल होने पर लड्डू चढ़ाने की बात लिखी।

इस तरह की सैकड़ों पर्चियां पेटियों में से निकलीं। नोटों की गिनती सीसीटीवी कैमरे की मौजूदगी में गई। शनिवार को गिनती समाप्त होने के बाद दान राशि को बैंक में जमा किया जाएगा। समिति प्राप्त दान से मंदिर की गतिविधियां संचालित करती है।

सोने और चांदी के जेवर भी निकले

मंदिर के प्रमुख पुजारी अशोक भट्ट ने बताया कि खजराना गणेश मंदिर को अभी तक की गिनती में 1 करोड़ 13 लाख रुपए नकदी मिल चुकी है। वहीं, दान पेटियों से परंपरा के अनुरूप सोने और चांदी के जेवर, रुद्राक्ष से सोने से जड़ित माला सहित विदेशी मुद्रा और बंद हो चुके 500 और 2000 के नोट भी प्राप्त हुए हैं।

पुजारी अशोक भट्ट की मानें तो खजराना गणेश मंदिर समिति के साथ ही नगर निगम के करीब 35 अधिकारी और कर्मचारी पूर्ण सुरक्षा के साथ दान की गिनती में लगे हैं। अब तक 46 में से 34 पेटियों की गिनती हो चुकी है। गिनती अभी जारी है।

30 लाख रुपए हर महीने आता है दान

इसके पहले करीब 4 महीने पहले मंदिर की दान पेटी खुली थी। साल में करीब 4 करोड़ से ऊपर दान आता है। करीब 30 लाख रुपए हर महीने आता है जो मंदिर समिति के काम आता है। इंदौर का खजराना स्थित गणेश मंदिर का निर्माण 1735 में होलकर वंश की महारानी अहिल्या बाई ने करवाया था। मान्यताओं के अनुसार, श्रद्धालु इस मंदिर की तीन परिक्रमा लगाते हैं और मंदिर की दीवार पर धागा बांधते हैं।

वैसे तो भगवान गणेश की पूजा-अर्चना हर शुभ कार्य करने से पहले की जाती है, लेकिन खजराना गणेश मंदिर में भक्तों की सबसे अधिक भीड़ बुधवार के दिन होती है। बुधवार को भगवान गणेश की पूजा करने के लिए भक्त दूर-दूर से यहां आते हैं।

इस दिन यहां विशेष आरती आयोजित की जाती है।

रिटायर्ड बैंक अफसर को किया डिजिटल अरेस्ट

ईडी के नाम से डराकर 39.60 लाख की ठगी

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के महालक्ष्मी नगर में रहने वाले एक रिटायर्ड बैंक अधिकारी राकेश कुमार गोयल के साथ एक सनसनीखेज ठगी का मामला सामने आया है। बदमाशों ने उन्हें डिजिटल तरीके से गिरफ्तार करने का झांसा देकर उनसे 39.60 लाख रुपए की ठगी की। पुलिस के अनुसार, घटना 11 जुलाई की है, लेकिन केस अभी दर्ज हुआ है। राकेश कुमार गोयल को एक फोन आया, जिसमें खुद को मुंबई के अंधेरी थाने का जवान बताने वाले व्यक्ति ने उन्हें बताया कि उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का वारंट जारी हुआ है। इसके बाद कॉल को ईडी ऑफिस में ट्रांसफर कर दिया गया। बाद में, गोयल से संपर्क कर उन्हें बताया गया कि उनके नाम से एक बैंक अकाउंट खोला गया है, जिसका इस्तेमाल 8 करोड़ 20 लाख रुपए की मनी लॉन्ड्रिंग में किया गया है। यह पैसा बच्चों की तस्करी में इस्तेमाल हुआ है। बदमाशों ने उन्हें डराते हुए कहा कि उनके और एक अपराधी के बीच कॉन्ट्रैक्ट हुआ है और उन्हें 82 लाख रुपये दिए जाएंगे।

स्काइप एप डाउनलोड करवाया

बदमाशों ने गोयल के मोबाइल पर स्काइप एप डाउनलोड कराया और उन्हें एक प्रेस कॉन्फ्रेंस दिखाई, जिसमें दो व्यक्ति दिख रहे थे। तीसरे व्यक्ति को लाकर उन्हें बताया गया कि उनके घर से मिली बैंक पासबुक के आधार पर उनके नाम से 8 करोड़ 20 लाख रुपये की मनी लॉन्ड्रिंग का पता चला है। बदमाशों ने गोयल को डरा-धमका कर

उनके एसबीआई के अकाउंट से 21 लाख रुपए न्यू इंडिया कंपनी के अकाउंट में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद भी धमकियां जारी रहीं और अगले दिन पत्नी के अकाउंट से भी 18 लाख रुपये निकलवाकर डीपीडी एसोसिएट के खाते में ट्रांसफर करा लिया गया।

इसके अलावा, गोयल के अकाउंट से और 60 हजार रुपये मेजीगो टेक प्रा.लि. के अकाउंट में डाले गए।

लगातार डराया-धमकाया

बदमाशों ने पूरी घटना के दौरान गोयल पर स्काइप एप के जरिए नजर रखी और उन्हें लगातार डराया-धमकाया। उन्होंने ईडी के नाम का भी इस्तेमाल किया और कहा कि अगर उन्होंने किसी को बताया तो बच्चों की तस्करी में उनका नाम आ सकता है। जब गोयल को शक हुआ तो उन्होंने अपने डीएसपी दोस्त से संपर्क किया, जिसके बाद उन्हें पता चला कि उनके साथ ठगी हुई है। उन्होंने तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। लसूड़िया पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

बदमाशों ने भरोसा भी दिलाया

बदमाशों ने गोयल को भरोसा दिलाया कि जांच में गड़बड़ी नहीं मिली तो पूरा पैसा वापस मिल जाएगा। यह घटना इंदौर में साइबर ठगी का एक बड़ा मामला है और लोगों को ऐसे ठगों से सावधान रहने की जरूरत है।

अब नायता मुंडला बस स्टैंड से चलेंगी शहर से हटाई गई बसें

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। इंदौर के ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए जिला प्रशासन ने शहर के बीचोबीच से बसों का संचालन करने वाले बस संचालकों पर कार्रवाई शुरू कर दी है। गुरुवार को प्रशासन ने ऐसे सात ट्रेवल्स के ऑफिस सील किए। बाद में बस संचालकों ने यात्री परेशानियों का हवाला दिया तो कलेक्टर ने तीन दिन की मोहलत के साथ शहर के बाहर से बसें संचालित करने के निर्देश दिए। इसके बाद अब कई निजी बसों का संचालन नायता मुंडला स्थित बस स्टैंड से शुरू होने की स्थिति बनती नजर आ रही है। यह विकल्प पिछली बैठक में जिला प्रशासन ने ही बस संचालकों को दिया था। उल्लेखनीय है कि शहर के ट्रैफिक को व्यवस्थित करने के लिए जिला प्रशासन ने पिछले माह निजी बस संचालकों की बैठक लेते हुए निर्देश दिए थे कि ऑल इंडिया टूरिस्ट परमिट पर चलने वाली बसें शहर से बाहर संचालित की जाएं। इस पर बस संचालकों ने कहा था कि ज्यादातर के पास शहर के बाहर बसों का संचालन शुरू करने के लिए स्थान नहीं है। इस पर अस्थायी तौर पर विकल्प दिया गया था कि वे नायता मुंडला में बने नए बस स्टैंड से बसों का संचालन शुरू कर सकते हैं। आरटीओ प्रदीप शर्मा ने कहा कि गुरुवार की कार्रवाई के दौरान भी जब बस संचालकों ने इतने कम समय में बाहर व्यवस्था न होने की बात कही तो उन्हें दोबारा यह विकल्प दिया गया कि अगर वे चाहें तो नायता मुंडला बस स्टैंड से अपनी बसें चला सकते हैं। इस बस स्टैंड से अभी किसी भी बस का संचालन शुरू नहीं हुआ है और यह खाली भी है। नौलखा की बसों को यहां शिफ्ट करने की योजना थी, जो कोर्ट के स्टे के कारण अटकी पड़ी है। आरटीओ ने बताया कि भोपाल की तरह बस संचालक शहर में अपना बुकिंग ऑफिस बना सकते हैं। साथ ही यात्रियों को शहर से लेकर बस स्टैंड तक लाने-ले जाने के लिए छोटी गाड़ियां भी संचालित कर सकते हैं, जिससे ट्रैफिक बाधित न हो। इससे यात्रियों को भी सुविधा होगी और बस संचालकों का काम भी प्रभावित नहीं होगा।

इंदौर के एमवाय अस्पताल में बनेगा 400 बेड का ट्रामा सेंटर और 500 बेड की धर्मशाला

इंदौर। मध्य प्रदेश के सबसे बड़े एमवाय अस्पताल का तीसरी बार कायाकल्प होने जा रहा है। अस्पताल में 400 बेड का ट्रामा सेंटर और अटेंडर के लिए 500 बेड की धर्मशाला बनाई जाएगी। एमआरटीबी अस्पताल को सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में बनाने की योजना है। इससे बड़ी संख्या में संभाग के मरीजों और उनके स्वजन को लाभ मिलने लगेगा। अस्पताल प्रबंधन ने कार्यों को लेकर प्रस्ताव तैयार कर भेज दिया है। इसके बाद अस्पताल की सूरत बदली नजर आएगी। मध्य प्रदेश भवन विकास निगम (बीडीएस) का एक पत्र मेडिकल कॉलेज डीन के पास आया था, जिसमें एमवायएच में नवनिर्माण, नवीनीकरण और उन्नयन के कार्यों की जानकारी मांगी गई थी। इसके तहत जानकारी भेजी गई है। अधिकारियों के मुताबिक करीब 550 करोड़ के बजट के नवनिर्माण और रिनोवेशन आदि कार्य एमवायएच और चाचा नेहरू अस्पताल में होने हैं। इसके लिए पहले भी प्रस्ताव भेजा जा चुका है। नए कार्य होने से मरीजों को लाभ मिलने लगेगा। अभी संसाधनों की कमी के कारण कई बार मरीजों को परेशानी होती है। अटेंडर भी परिसर में यहां-वहां रुकते हैं, लेकिन धर्मशाला बनने से उन्हें भी सुविधा मिलने लगेगी।

इंदौर में ज्यादातर इमारतों की बेसमेंट हैं दुकानें, इस धांधली पर जिम्मेदार हैं मौन

इंदौर। प्रदेश की व्यवसायिक राजधानी में ही व्यवसायिक काम्प्लेक्स के लिए बने नियमों का पालन नहीं हो रहा है। व्यवसायिक काम्प्लेक्सों के लिए भले ही नियम हो कि उन्हें दुकानों की संख्या के हिसाब से पार्किंग की व्यवस्था करना होती है, लेकिन इक्का-दुक्का को छोड़ दें तो ज्यादातर कॉम्प्लेक्स में इस नियम का पालन नहीं हो रहा है। ज्यादातर व्यवसायिक काम्प्लेक्स में वाहन पार्क करने की कोई व्यवस्था अलग से नहीं है। मजबूरी में ग्राहक सड़क पर वाहन पार्क करते हैं। चिंता की बात यह भी है कि इन कॉम्प्लेक्स में तलघर में बनी दुकानों में कहीं रेडिमेड कपड़ों का व्यापार हो रहा है तो कहीं इलेक्ट्रॉनिक आइटमों का।

इंदौर में देवगुराड़िया के आस-पास हैं कई टूरिस्ट स्पॉट

सिटी चीफ इंदौर।

सावन के महीने में अगर किसी ऐसे स्थान पर जाने का अवसर मिल जाए, जहां भगवान शिव के भी दर्शन हो जाएं और हरीभरी वादियों के बीच वक्त बीताने को भी मिल जाए तो कहना ही क्या। किसी और के लिए यह एक टास्क हो सकता है पर हम इंदौरियों के लिए यह बहुत आसान बात है।

ऐसे स्थान को तलाशने के लिए हमें न तो बहुत ज्यादा दिमागी घोड़े दौड़ाने की जरूरत है और न ही शहर से बहुत दूर जाने की जहमत उठाने की जरूरत। शहर के आसपास यूं तो कई ऐसे स्थान हैं, जहां यह तलाश पूरी हो सकती है और इन्हीं में से एक है देवगुराड़िया मंदिर और उसके आसपास की वादियां।प्रकृति के सुंदर नजारे बहुत कम लोग यह जानते हैं कि देवगुराड़िया में भगवान शिव के प्राचीन मंदिर के दर्शन करने के अलावा आसपास प्राकृतिक नजारों का आनंद लिया जा सकता है। चलिए अपनी यात्रा इस बार इसी दिशा में करते हैं। शुरुआत इंदौर से ही करते हैं।

श्रावण मास है इसलिए राजवाड़ा में बने मल्हारी मार्तंड मंदिर में पहले भगवान शिव के दर्शन कर यात्रा की शुरुआत करते हैं और फिर जाते हैं देवगुराड़िया। यह भी वह मंदिर है, जिसके जीर्णोद्धार की जिम्मेदारी अहिल्याबाई होलकर ने निभाई थी। यहां जब शिवलिंग पर गोमुख से जलाभिषेक होना शुरू हो जाता है तो माना जाता है कि उस वर्ष वर्षा पर्याप्त हुई। पहाड़ों से रिसकर यह जल गोमुख से होता हुआ शिवलिंग का अभिषेक करता है। इसके बाद यात्रा बढ़ाते हैं और चलते हैं प्राकृतिक नजारों का आनंद लेने। इंदौर से करीब 55 किमी दूर और देवगुराड़िया से करीब 40 किमी दूर यह यात्रा पूरी होती है। पर इस यात्रा में कई प्राकृतिक और पर्यटक स्थल आपको मिलेंगे। मेघदूत फिटनेस क्लब के महेश रसाल बताते हैं कि जब आप देवगुराड़िया वाले रास्ते से ग्राम कंपेल की और जाते हैं तो रास्ते में उज्जैनी स्थान आता है जहां नर्मदा और क्षिप्रा का संगम है। यहां भी आप पिकनिक मना सकते हैं। यहां से थोड़ा आगे बढ़ते हैं कंपेल गांव पहुंचेंगे। कंपेल का स्थान इतिहास के पन्नों पर प्रमुख है, क्योंकि कभी होलकर शासक भी यहां रहे थे और कंपेल परगना हुआ करता था। यहां से थोड़ा आगे बढ़ने पर आप हत्यारी खोह पिकनिक स्पाट का लुत्फ ले सकते हैं। यहां भी बहुत आकर्षक झरना है, जो सबको लुभाता है।

महेश रसाल बताते हैं कि यदि इन स्थानों पर जा रहे हैं तो खानपान की वस्तुएं साथ लेकर जाएं, क्योंकि इन स्थानों पर चाय-काफी तो मिल सकती है, लेकिन उससे ज्यादा की उम्मीद करना बेमानी बात होगी। हां, ग्रामीण क्षेत्र होने से भुट्टों का आनंद आप भरपूर ले सकते हैं। पेडमी घाट पर बंदरों से जरा सावधान रहें। खासतौर पर तब, जब आपके हाथ में खाद्य पदार्थ हों। यहां थोड़ी सतर्कता रखें, क्योंकि जरा सी लापरवाही दुर्घटना की वजह बन सकती है। हत्यारी खोह हो या पेडमी घाट फिसलन भरे स्थान हैं और यहां अक्सर अप्रिय घटनाएं होती हैं। देवगुराड़िया, उज्जैनी और हत्यारी खोह के बाद आप जब अन्य प्राकृतिक स्थान की खूबसूरती देखने बढ़ते हैं तो करीब पांच किमी चलने के बाद पेडमी गांव आता है। यहां खेड़ापति हनुमान मंदिर है, जिसकी क्षेत्र में खासी मान्यता है। यह आपकी यात्रा का अंतिम पड़ाव होगा, क्योंकि यहीं आपको पेडमी घाट मिलेगा, जहां एक नहीं बल्कि तीन झरने हैं। पहाड़ों से घिरे इस क्षेत्र में असीम हरियाली है और बेतहाशा खूबसूरती। शांत वातावरण और झरनों की आवाज मन को प्रफुल्लित कर देती है। यह ऐसा स्थान है जहां घंटों वक्त बिताया जा सकता है। यहां की सुंदर घाटियां हिमाचल प्रदेश सा अहसास कराती हैं। अगर आप थोड़ा और वक्त है तो आप सती गेट देखने भी जा सकते हैं जो कि यहां से कुछ ही दूरी पर है और यह होलकर कालीन द्वार है।

प्रदर्शन में घायल हुए पटवारी, पुलिस मुख्यालय पहुंचे कांग्रेसी नेताओं ने लगाया आरोप, की जांच की मांग

पीछे छुप कर बैठे थे पुलिसकर्मी, पटवारी पर किया हमला!

सिटी चीफ भोपाल।

इंदौर में प्रदर्शन के दौरान मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पुलिस से हुई झड़प में घायल हो गए थे जिसकी जांच की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस के कई वरिष्ठ नेता गुरुवार को पुलिस मुख्लय पहुंच कर डीजीपी के पीएसओ विनीत कपूर को को ज्ञापन दिया। साथ ही जीतू पटवारी को सुरक्षा मुहैया कराने की भी मांग की है। इस दौरान पूर्व केंद्रीय मंत्री अरूण यादव, पूर्व मंत्री संज्जन सिंह वर्मा, मप्र कांग्रेस के मीडिया अध्यक्ष मुकेश नायक, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा, प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष राजीव सिंह, विधायक आरिफ मसूद, प्रदेश कांग्रेस विभाग एवं प्रकोष्ठों के प्रभारी जेपी धनोपिया, महामंत्री संजय कामले, महिला कांग्रेस की अध्यक्ष विभा पटेल सहित अन्य कांग्रेसजनों के एक प्रतिनिधि मंडल ने ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधि मंडल द्वारा सौंपे गये ज्ञापन में कहा गया है कि नगर पालिक निगम, इंदौर में हुए करोड़ों रूपयों के घोटाले और भारी भ्रष्टाचार के विरोध में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी एवं अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के नेतृत्व में इंदौर के नगर निगम मैदान में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जा रहा था। प्रदर्शन उपरांत नगर निगम के अधिकारियों को ज्ञापन देने पटवारी सहित अन्य नेतागण एवं कार्यकर्ता जाने लगे तब पुलिस अधिकारियों द्वारा कांग्रेस नेताओं पर वाटर कैनन की बौछार की गई और बेरिकेट्स के पीछे छुपके बैठे पुलिस कर्मियों द्वारा पुलिस अधिकारियों के इशारे पर प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी, कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकताओं पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज कर उन्हें घायल कर दिया गया, जिसके वीडियो भी वायरल हुये, मीडिया द्वारा इलेक्ट्रॉनिक चैनल्स पर भी दिखाया गया है एवं समाचार पत्रों में भी प्रमुखता से प्रकाशित हुये। नेतागणों ने पुलिस महानिदेशक को ज्ञापन सौपते हुए बताया कि पुलिस ने बर्बरतापूर्ण रवैया अपनाकर शांतिपूर्ण एवं गाधीवादी तरीके से चल रहे कांग्रेस पार्टी के आंदोलन को कुचलने का अनुचित कृत्य किया, जिसमें सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ता एवं नेताओं के घायल होने के साथ ही प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पटवारी भी घायल हो गए।

पुलिस द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय और तानाशाही का प्रमाण

कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने बताया कि प्रदेश में विपक्षी दल होने के नाते कांग्रेस पार्टी की महती जिम्मेदारी है कि वह आमजनों की मांगों को उठाते हुए भ्रष्टाचार रोकने, अन्याय रोकने एवं अनुचित करवृद्धि वापिस लेने की मांग करने का लोकतांत्रिक एवं प्रजातांत्रिक तरीके से पूर्ण अधिकार है। इंदौर में कांग्रेस पार्टी के नेतागण प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में उक्त प्रदर्शन कर रहे है थे, ऐसे में पुलिस का ऐसा अनुचित एवं हिंसात्मक कृत्य जिसमें वाटर कैनन की मार, लाठीचार्ज कर डण्डों से कार्यकताओं को बेरहमी से पीटा गया। पुलिस द्वारा किया गया यह कृत्य निंदनीय और तानाशाही का प्रमाण है। कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल ने उक्त घटना को बेहद निंदनीय बताते हुये पुलिस महानिदेशक ज्ञापन सौपकर मांग की है कि विगत 6 अगस्त, 2024 को नगर पालिक निगम, इंदौर के समक्ष शांतिपूर्ण तरीके से किये जा रहे प्रदर्शन को किन अधिकारियों के इशारे पर पुलिस द्वारा बलपूर्वक कांग्रेस कार्यकताओं, नेताओं को रोका गया और बर्बरता से मारपीट कर घायल किया गया। घटना की जांच हेतु एक जांच कमेटी गठित कर निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के विरूद्ध उचित कार्यवाही की जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह की पुनर्रावत्ति न हो इसके लिए पुलिस प्रशासन को निर्देश दिये जाये और प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र (जीतू) पटवारी जी को उचित सुरक्षा मुहैया कराई जाएं।

जंगल में नरकंकाल मिलने से फैली सनसनी

11 दिन से लापता था युवक, हत्या की आशंका

सिटी चीफ भोपाल।

छोला मंदिर थाना इलाके में शुक्रवार सुबह मोहाली के जंगली क्षेत्र में एक नरकंकाल मिलने से सनसनी फैल गई। कंकाल पर मिले कपड़ों के आधार पर मृतक की शिनाख्त ग्राम खेजड़ा निवासी 45 वर्षीय सूरज रैकवार के रूप में हुई। वह 28 जुलाई से लापता था। पुलिस ने मर्ग कायमी के बाद मामले को विवेचना में ले लिया है। कंकाल को फोरेंसिक जांच के लिए लैब भेज दिया गया है। इस मामले में सूरज की हत्या किए जाने की भी आशंका है।

यह है घटनाक्रम

छोला मंदिर थाना प्रभारी सुरेशचंद्र नागर ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब सवा नौ बजे गोवर्धन लोधी नाम के व्यक्ति ने मोहाली के जंगल में नरकंकाल पड़ा रहने की सूचना दी थी। घटना की सूचना मिलने पर

डीसीपी सहित जोन-चार के आला अधिकारी मौके पर पहुंचे। कंकाल पर मिले कपड़ों के आधार पर मृतक की पहचान ग्राम खेजड़ा निवासी 45 वर्षीय सूरज रैकवार के रूप में हुई। वह 28 जुलाई को अचानक लापता हो गया था। स्वजन की शिकायत पर पुलिस ने उसकी गुमशुदगी दर्ज की थी। पुलिस ने घटना स्थल की एफएसएल टीम से जांच कराने के साथ कंकाल को जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेज दिया है। फोरेंसिक रिपोर्ट मिलने के बाद ही सूरज की मौत की वजह स्पष्ट हो सकेगी। अभी मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

संत हिरदाराम नगर स्टेशन आने वालों को मिलेगी राहत, अव्यवस्थित पार्किंग से मिलेगी मुक्ति

तीसरी लाइन का काम पूरा होने से पहले बनेगी मल्टीपार्किंग

सिटी चीफ भोपाल।

भोपास। संत हिरदाराम नगर को विकसित करने के साथ ही यहां मल्टीपार्किंग का निर्माण किया जाएगा। स्टेशन पर फिलहाल पार्किंग की दिक्कत है। खासतौर पर चार पहिया वाहन खड़े करने में नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

स्टेशन को अमृत भारत योजना के तहत विकसित किया जा रहा है। आधुनिक प्रतीक्षालय का निर्माण करने का प्रस्ताव भी है। सीटीओ छोर पर नया प्रबंधक कक्ष बनाया जा चुका है। स्टेशन के दोनों प्लेटफार्म पर नया कोटा स्टोन एवं टाइल्स लगाए जा चुके हैं। नए स्टेशन प्रबंधक कक्ष का निर्माण प्लेटफार्म क्रमांक दो के बाद खाली पड़ी जमीन पर किया गया है। अब यहीं से ट्रेनों की निगरानी की जा रही है। स्टेशन पर पार्किंग की समस्या को देखते हुए बाहर की तरफ नया मल्टीपार्किंग बन रहा है। रामगंज मंडी से आने वाली तीसरी लाइन का काम भी तेज गति से चल रहा है। भविष्य में यात्री ट्रेनों का स्टापेज बढ़ने की संभावना को देखते हुए ही मल्टीपार्किंग का

निर्माण किया गया है। तीसरी लाइन आने से पहले ही पार्किंग निर्माण पूरा हो जाएगा। स्टेशन पर पहले से बने पुराने दोनों प्लेटफार्म का शेड विस्तार एवं बोगी गाइडेंस लगाने का काम पहले ही पूरा किया जा चुका है। रेल प्रशासन ने स्टेशन तक पहुंचने के लिए अपने हिस्से की जमीन पर वैकल्पिक मार्ग का निर्माण भी किया है। रेलवे ओवर ब्रिज का एक हिस्सा स्टेशन से जोड़ने का प्रस्ताव है। वैकल्पिक मार्ग बनने से आवाजाही सुगम हो जाएगी।

रवींद्र भवन के सभागार में गूंजेंगे किशोर कुमार के तराने, गौहर महल में देखें सावन मेला

सिटी चीफ भोपाल।

शहर में कलात्मक, सांस्कृतिक, सामाजिक, खेल, धार्मिक आदि गतिविधियों का सिलसिला निरंतर चलता रहता है। शनिवार 10 अगस्त को भी शहर में ऐसी अनेक गतिविधियों का आयोजन होने जा रहा है, जिनका आप आनंद उठा सकते हैं। यहां हम कुछ ऐसे ही चुनींदा कार्यक्रमों की जानकारी पेश कर रहे हैं, जिसे पढ़कर आपको अपनी दिन की कार्ययोजना बनाने में आसानी होगी।

फिल्म फेस्टिवल - निर्मल पांडेय स्मृति न्यास द्वारा पांचवा निर्मल पांडेय स्मृति राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान, श्यामला हिल्स के सभागार में किया जा रहा है। फिल्म व रंगमंच अभिनेता आदित्य श्रीवास्तव,अखिलेंद्र मिश्रा तथा अभिनेत्री सुष्मिता मुखर्जी, भोपाल के वरिष्ठ रंगकर्मी एवं फिल्म अभिनेता राजीव वर्मा, बाडी वत्स अतिथियों के रूप में उपस्थित रहेंगे। इसमें सुबह 10 बजे से लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया जाएगा।

स्वदेशी सिल्क एक्सपो - महाराणा प्रताप भवन, चार इमली में स्वदेशी सिल्क एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। समय सुबह 11 बजे से रात 9 बजे तक है।

छायाचित्र प्रदर्शनी - जीपी बिड़ला संग्रहालय में पवित्र सावन माह के मौके पर वैश्विक संग्रहालयों में संग्रहीत प्राचीन शिव प्रतिमाओं पर केंद्रित शैव दर्शन छायाचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी को सुबह दस से शाम छह बजे तक देखा जा सकता है।

माह का प्रादर्श - इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में %माह का प्रादर्श श्रंखला के तहत अगस्त माह के प्रादर्श के रूप में पारंपरिक छतरी खुमरी का प्रदर्शन किया जा रहा है। वीथि संकुल में इसे सुबह 11 से शाम 06 बजे तक देखा जा सकता है।

चित्र प्रदर्शनी - मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय की लिखंदरा दीर्घा में गोंड समुदाय की चित्रकार सुनैना तेकाम के चित्रों की प्रदर्शनी सह विक्रय का संयोजन किया जा रहा है। इस 52वीं शलाका चित्र प्रदर्शनी को दोपहर 12 से रात 08 बजे तक देखा जा सकता है।

रूपाभ कला प्रदर्शनी - समकालीन चित्रकारों की प्रदर्शनी श्रृंखला रूपाभ का आयोजन भारत भवन में किया जा रहा है। इसमें स्वपन तरफदार के बनाए चित्रों को दोपहर एक बजे से निहारा जा सकता है। हेरिटेज थीम पर आधारित इस प्रदर्शनी में वाटर कलर से बनाए गए 35 चित्र प्रदर्शित किए गए हैं। इन चित्रों में प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों को उभारा गया है।

सावन मेला - मध्य प्रदेश हस्तशिल्प एवं हथकरघा विकास निगम की ओर से सावन मेला का आयोजन गौहर महल में किया जा रहा है। इस मेले को दोपहर दो बजे से देखा जा सकता है। गौहर महल में यह मेला 18 अगस्त तक चलेगा पावस कार्यक्रम - दुष्यंत कुमार स्मारक पांडुलिपि संग्रहालय में प्रणाम पावस-2024 कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। राज सभागार में यह कार्यक्रम अपराह्न तीन बजे से आरंभ होगा।

बदमाशों ने डिप्टी कलेक्टर से मोबाइल और पर्स लूटा

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल के हनुमानगंज स्थित हमीदिया रोड पर एक डिप्टी कलेक्टर के साथ सरेराह लूट हो गई। बदमाश उनके हाथ से मोबाइल फोन और पर्स छीनकर भाग निकला। घटना के समय डिप्टी कलेक्टर शासकीय कार्य से श्योपुर से भोपाल आए थे और सड़क किनारे खड़े होकर ऑटो का इंतजार कर रहे थे। पुलिस ने अज्ञात बदमाश के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से बदमाश की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार यशवीर सिंह तोमर कलेक्ट्रेट कॉलोनी, जिला श्योपुर में रहते हैं और वहीं प्रभारी डिप्टी कलेक्टर हैं। बुधवार सुबह करीब सवा पांच बजे वह नादरा बस स्टैंड पर बस से उतरे और हमीदिया रोड स्थित बाल निकेतन के सामने सड़क किनारे खड़े होकर ऑटो का इंतजार करने लगे। इसी बीच एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास पहुंचा। उसने पूछा कि कहां जाओगे और आपके साथ और कौन है। यशवीर को लगा कि वह ऑटो वाला है, इसलिए उन्होंने बोला कि मैं अकेला हूं और शासकीय कार्य से आया हूं तथा वल्लभ भवन

जाना है। इस पर उक्त युवक ने झपट्टा मारकर उनके हाथ से मोबाइल फोन और पर्स छीन लिया और धक्का देकर भाग निकला। धक्का लगने से यशवीर सिंह जमीन पर गिर पड़े। लूटे गए पर्स में उनका आधार कार्ड, ड्राइविंग लायसेंस, समग्र आईडी, पेनकार्ड, दो एटीएम कार्ड, एक सिम कार्ड समेत अन्य दस्तावेज तथा नगदी 5500 रुपए रखे हुए थे। घटना के बाद उन्होंने हनुमानगंज थाने जाकर अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ लूट का मामला दर्ज करवाया।

नौ साल पहले हिरासत में हुई थी युवक की मौत

तत्कालीन जेलर, थाना प्रभारी समेत आठ पर हत्या का केस दर्ज करने का आदेश

सिटी चीफ भोपाल।

राजधानी की एक अदालत ने वर्ष 2015 में पुलिस तथा जेल अभिरक्षा में मारपीट से हुई युवक की मौत पर तत्कालीन जेलर, थाना प्रभारी, डॉक्टर और क्राइम ब्रांच के पांच सिपाहियों पर हत्या, साजिश रचने, साक्ष्य छिपाने की धाराओं में एफआईआर के आदेश दिये है।

इस मामले में मृतक युवक की मां ने न्यायालय में एक परिवाद दायर किया था।

मुदकमा दर्ज करने का आदेश शुक्रवार को न्यायिक दंडाधिकारी प्रथम श्रेणी आशीष मिश्रा के न्यायालय ने दिया। परिवाद में साक्षियों के कथन ,संलग्न दस्तावेज एवं जांच रिपोर्ट के आधार पर आरोपित मनीष राज भदौरिया (वर्तमान थाना प्रभारी मिसरोद) उप निरीक्षक डीएल यादव, एहसान, मुरली, दिनेश चिरोंजीलाल, तत्कालीन मनोरोग विशेषज्ञ हमीदिया अस्पताल डॉ. आरएन साहू, आलोक बाजपेई के विरुद्ध धारा 302, 120-बी, 201 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध दर्ज करने का आदेश दिया गया है।

यह है मामला

मृतक मोहसिन की मां ने न्यायालय में एक निजी शिकायत दर्ज कराई थी। उसमें बताया गया कि जून 2015 को क्राइम ब्रांच भोपाल के सिपाही मुरली, दिनेश

खजूरिया और चिरोंजीलाल पूछताछ के लिए मोहसिन को ले गए थे। स्वजन जब मोहसिन को छुड़वाने के लिए क्राइम ब्रांच थाने पहुंचे तो उनसे दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी गई। थाने में उसके साथ गंभीर मारपीट की गई और विद्युत करंट के झटके भी दिए गए। बेरहमी से मारपीट करने के बाद मोहसिन को टीटी नगर थाना के सुपुर्द कर दिया। वहां भी उसे करंट लगाकर प्रताड़ना दी गई। साथ ही रुपये ना मिलने पर झूठे प्रकरण में फंसाया गया और न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। 10 जून 2015 को सीजेएम कोर्ट ने मोहसिन को जेल भेज दिया। 23 जून 2015 की रात को फरियादिया को जानकारी मिली कि उसके पुत्र मोहसिन की मृत्यु हो गई है।

टीटी नगर थाने में बतौर टीआई पदस्थ रहने के दौरान मनीषराज सिंह भदौरिया ने लूट के एक मामले में मोहसिन को फर्जी तरीके से आरोपी बनाया। घायल हालत में थाने में पहुंचे मोहसिन के साथ मारपीट की गई ।

जब उसे हमीदिया अस्पताल भेजा गया तो उसकी हालत गंभीर थी। अस्पताल के मनोरोग विभाग में पदस्थ रहे डा. आरएन साहू पर आरोप है कि उन्होंने केंद्रीय जेल भोपाल में बंद कैदी मोहसिन को मनोरोगी घोषित किया। जबकि वह मानसिक रूप से स्वस्थ था। उसे मनोरोगी बताकर ट्रीटमेंट के लिए घायल हालत में ग्वालियर स्थित जयारोग्य हॉस्पिटल रेफर किया गया।

सम्पादकीय

आहत दिलों पर हॉकी और जैवलिन थ्रो ने लगाया मरहम

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के साथ हुए अप्रिय घटनाक्रम से आहत भारतीयों के टूटे दिलों पर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर और जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीतकर मरहम ही लगाया है। हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक देश के नाम किया। टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में भी हॉकी का कांस्य पदक भारत की झोली में डाला। टीम की दृढ़ता व टीम भावना के चलते यह कामयाबी मिली है।

पेरिस ओलंपिक में विनेश फोगाट के साथ हुए अप्रिय घटनाक्रम से आहत भारतीयों के टूटे दिलों पर हॉकी टीम ने कांस्य पदक जीतकर और जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने सिल्वर मेडल जीतकर मरहम ही लगाया है। हॉकी टीम ने स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक देश के नाम किया। टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में भी हॉकी का कांस्य पदक भारत की झोली में डाला। टीम की दृढ़ता व टीम भावना के चलते यह कामयाबी मिली है। अपने इस परंपरागत खेल से भारतीयों का भावनात्मक लगाव सदैव रहा है, जिसको भारतीय टीम ने संबल ही दिया। निस्संदेह, इससे हॉकी की लोकप्रियता को बढ़ावा मिलेगा। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने मजबूत टीमों को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी। हालांकि, वह अपने एक मजबूत खिलाड़ी की अनुपस्थिति में सेमीफाइनल में जर्मनी से हार गई थी। लेकिन कांस्य पदक जीतने के बाद हॉकी टीम से खेल प्रेमियों ने कहा कि यह उपलब्धि सोने की चमक से कम नहीं है। हालांकि एक समय था कि अंतिम मुकाबले में स्पेन एक शून्य की बढ़त लिए हुए था, लेकिन भारतीय टीम ने न केवल खेल में वापसी की बल्कि स्पेन को 2-1 से हराया भी। उल्लेखनीय है कि भारतीय हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक में भी कांस्य पदक जीता था। पेरिस ओलंपिक के अंतिम मुकाबले में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कप्तान वाली पारी खेली। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर से गोल करके पहले स्कोर बराबर किया और फिर दूसरे गोल से प्रतिपक्षी टीम पर अजेय बढ़त ले ली। जर्मनी से हुए मुकाबले में जिस फर्स्ट रशर अमित रोहिदास की कमी खली थी, अंतिम मुकाबले में उन्होंने अपनी सार्थक उपस्थिति दर्ज की। उल्लेखनीय है कि ग्रेट ब्रिटेन के खिलाफ रोहिदास को रेड कार्ड मिला था। जिसके चलते उन पर एक मैच खेलने का प्रतिबंध लगा था। यही वजह कि जर्मनी के मुकाबले में उनकी कमी टीम को खली थी। कालांतर में भारत ने जर्मनी के खिलाफ मैच 3-2 से गंवाया था। बहरहाल, पेरिस ओलंपिक के विभिन्न मुकाबलों में सशक्त नजर आ रही टीम जर्मनी के साथ सेमीफाइनल में मिली शिकस्त के बाद स्वर्णिम सफलता से वंचित हो गई। हालांकि, ओलंपिक में तेरह पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम का अतीत शानदार रहा है। खासकर हिटलर की उपस्थिति वाले बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेल और स्वर्ण पदक की चर्चा गाहे-बगाहे होती रहती है। ओलंपिक के इतिहास में भारत ने आठ स्वर्ण, एक रजत और चार कांस्य पदक जीते हैं। हालांकि, वर्ष 1980 के मास्को ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने के बाद फिर टीम सुनहरी सफलता से वंचित रही। उसके बाद तो पदकों का सूखा 41 साल बाद टोक्यो ओलंपिक में मिले कांस्य पदक से टूटा। हालांकि, भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 52 साल बाद लगातार दो ओलंपिक में पदक जीतने का गौरव हासिल किया है। यद्यपि पेरिस ओलंपिक में मजबूत मानी जा रही टीम टोक्यो ओलंपिक के पदक का रंग नहीं बदल सकी, लेकिन उसकी कामयाबी से परंपरागत भारतीय खेल की प्रतिष्ठा फिर स्थापित हुई। बहरहाल, इस बार ग्रुप स्टेज में मजबूत टीमों की उपस्थिति के बावजूद टीम का प्रदर्शन तीसरे स्थान के मुकाबले तक शानदार ही रहा। वहीं नीरज चोपड़ा पेरिस ओलंपिक की जैवलिन थ्रो में सिल्वर मेडल जीतकर लगातार दो ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय ट्रैक और फील्ड खिलाड़ी बन गए। हालांकि इस मुकाबले में गोल्ड मेडल पर पाकिस्तान के अरशद नदीम ने अपना कब्जा जमाकर ओलंपिक में नया रिकॉर्ड कायम कर लिया। वहीं इस रिजल्ट के बाद नीरज चोपड़ा की माता की भी प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने कहा कि जो गोल्ड मेडल ले गया है वो भी हमारा लड़का है। पानीपत में रहने वाली नीरज चोपड़ा की मां ने सरोज देवी ने कहा, हम बहुत खुश हैं, हमारे लिए सिल्वर भी सोने के बराबर है। जो गोल्ड ले गया है वो भी हमारा लड़का है। मेहनत करके लेकर गया है। हर खिलाड़ी का दिन होता है। वह चोटिल हो गया था, इसलिए हम उसके प्रदर्शन से खुश हैं। जब नीरज चोपड़ा आएगा तो उसका फेवरेट खाना बनाऊंगी। इसके अलावा सिल्वर मेडल मिलने पर नीरज चोपड़ा के पिता सतीश कुमार का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कहा हम प्रेशर नहीं डाल सकते हैं। हर किसी खिलाड़ी का दिन होता है, पाकिस्तानी एथलीट अरशद नदीम का दिन था, अरशद गोल्ड जीत पाए। उन्होंने कहा हम दूसरे ओलंपिक में जैवलिन में मेडल जीत पाए यह बहुत खुशी की बात है हम दूसरे देशों को फाइट दे रहे हैं।

सकारात्मक पहल है वक़्फ़ संशोधन विधेयक-2024

भारत सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत किया गया 'वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक-2024' मौजूदा 'वक़्फ़ अधिनियम-1995 'में व्यापक एवं आवश्यक बदलाव का प्रस्ताव करता है। इसका मुख्य उद्देश्य वक़्फ़ बोर्डों की देखरेख करनेवाले नियमों को अद्यतन करते हुए उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाना है। विधेयक में वक़्फ़ बोर्डों के प्रबंधन को बेहतर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कई संशोधन पेश किए गए हैं।

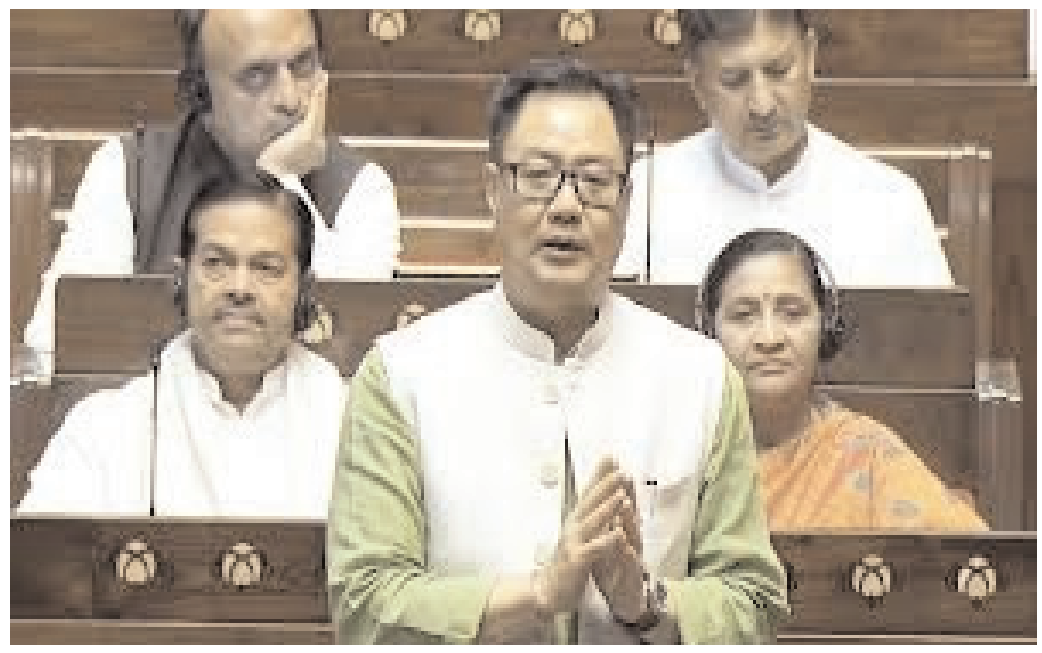

भारत सरकार द्वारा संसद में प्रस्तुत किया गया 'वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक-2024' मौजूदा 'वक़्फ़ अधिनियम-1995 'में व्यापक एवं आवश्यक बदलाव का प्रस्ताव करता है। इसका मुख्य उद्देश्य वक़्फ़ बोर्डों की देखरेख करनेवाले नियमों को अद्यतन करते हुए उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाना है। विधेयक में वक़्फ़ बोर्डों के प्रबंधन को बेहतर और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से कई संशोधन पेश किए गए हैं। इसका लक्ष्य वक़्फ़ संपत्तियों के दुरुपयोग से संबंधित चिंताओं को दूर करना और इस दिशा में प्रभावी प्रशासन सुनिश्चित करना है। दरअसल, कुछ लोग वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक-2024 के विषय में मुस्लिम समुदाय को यह सुझाव देते हुए कि संशोधन हानिकारक हो सकते हैं, अनावश्यक रूप से गुमराह करने का प्रयास कर सकते हैं, हालांकि यह समझना महत्त्वपूर्ण है कि ये सुधार मूल रूप से वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हैं। देखा जाए, तो वक़्फ़ संपत्तियों को ऐतिहासिक रूप से प्रायः कुप्रबंधन और अतिक्रमण से संबंधित चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। पंजीकरण, वित्तीय रिपोर्टिंग और प्रशासन-प्रबंधन के लिए नए नियमों को लागू कर, विधेयक का उद्देश्य इन मुद्दों से सीधे निपटना है।

इस दृष्टि से संपत्ति पंजीकरण और विस्तृत वित्तीय प्रकटीकरण के लिए एक केंद्रीय पोर्टल के माध्यम से इन संपत्तियों को अनधिकृत उपयोग से बचाने में सहायता मिलेगी और यह सुनिश्चित होगा कि उनका प्रबंधन उनके इच्छित उद्देश्यों के अनुरूप किया जाए। ये परिवर्तन वक्फ संपत्तियों के दुरुपयोग और कुप्रबंधन को रोकने के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो कई वर्षों से चिंता का विषय रहे हैं।

विधेयक में पेश किए गए सुधार उन समस्याओं के लिए एक आवश्यक प्रतिक्रिया हैं, जिन्होंने अतीत में वक़्फ़ प्रबंधन को परेशान किया है। बढ़ी हुई पारदर्शिता और जवाबदेही के कारण वक़्फ़ संपत्तियों को अतिक्रमण और दुरुपयोग से बचाने में निस्संदेह सहायता मिलेगी। ये संशोधन वक़्फ़ संपत्तियों के बेहतर प्रबंधन और सुरक्षा के लिए एक प्रतिबद्धता है। इस क्रम में समुदाय के दीर्घकालिक लाभ के लिए इन परिवर्तनों का समर्थन करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

वक़्फ़ (संशोधन) विधेयक-2024 को लेकर अनेक चिंताएं और भ्रामक सूचनाएं प्रसारित होती रही हैं, विशेषकर उन लोगों की ओर से जिनके पास यथास्थिति बनाए रखने में निहित स्वार्थ हो सकते हैं। कुछ लोग तर्क दे सकते हैं कि विधेयक हानिकारक है, लेकिन इन संशोधनों को पारदर्शिता और जवाबदेही के चश्मे से देखना आवश्यक है।

प्रस्तावित परिवर्तन मूल रूप से वक़्फ़ प्रणाली में सुधार के बारे में हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि संपत्तियों का प्रबंधन अधिक प्रभावी और नैतिक रूप से किया जाए। विधेयक में संशोधनों में वक़्फ़ संपत्तियों के लिए एक केंद्रीय डेटाबेस और पोर्टल की स्थापना सम्मिलित है, जो सभी संपत्तियों का एक व्यापक रिकॉर्ड सुरक्षित एवं संरक्षित करेगा। यह विधेयक वक़्फ़ भूमि के कुप्रबंधन और अनधिकृत उपयोग की संभावनाओं को कम करने की दिशा में एक विकासात्मक पहल है।

अतीत में, ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां एकीकृत और पारदर्शी प्रणाली की कमी के कारण वक़्फ़ संपत्तियों पर अतिक्रमण किए गए या उनका दुरुपयोग किया गया। नए नियम यह सुनिश्चित करके इस तरह के दुरुपयोग को रोकने का प्रयास करते हैं कि सभी संपत्तियों का उचित रूप से दस्तावेजीकरण और उनकी निगरानी की जाए। इसके अतिरिक्त, विधेयक वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका को बढ़ाता है, जिसमें केंद्रीय वक़्फ़ परिषद् में गैर-मुस्लिम सदस्यों को सम्मिलित करना भी है।

यह समावेशी दृष्टिकोण इस दिशा में निर्णय लेने की प्रक्रिया में विविधता और विशेषज्ञता लाने के लिए बनाया गया है। इस क्रम में बढ़ा हुआ प्रतिनिधित्व और जवाबदेही तंत्र हितों के टकराव को रोकने में सहायता करेगा और यह सुनिश्चित करेगा कि वक़्फ़ संपत्तियों का उपयोग उनके इच्छित उद्देश्यों के लिए किया जाए, जिससे पूरे समुदाय को लाभ हो। विधेयक में यह स्पष्ट किया गया है कि सरकारी संपत्तियों को वक़्फ़ संपत्ति नहीं माना जाएगा। यह एक तर्कसंगत और आवश्यक समायोजन है।

यदि वक़्फ़ संपत्तियों ने सरकारी भूमि पर कब्जा कर रखा है, तो इस स्थिति को पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संबोधित करना महत्त्वपूर्ण है। भूमि के उचित प्रबंधन और सही उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए ऐसे मामलों की समीक्षा करने में स्वाभाविक रूप से कुछ भी गलत नहीं है। इस समीक्षा का प्राथमिक लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि सभी संपत्तियों, चाहे वह वक़्फ़ रूप में या सरकारी रूप में वर्गीकृत हों, का उपयोग कानूनी और नैतिक मानकों के अनुरूप किया जाए। सत्यापन की यह प्रक्रिया वक़्फ़ संपत्तियों और सरकारी भूमि दोनों की अखंडता को बनाए रखने के लिए महत्त्वपूर्ण है।

ऐसे मामलों की समीक्षा करना, जहां वक़्फ़ संपत्तियों ने सरकारी भूमि पर कब्जा किया है, स्वामित्व और उपयोग के अधिकारों को स्पष्ट करने में मददगार है। यह किसी भी अनुचित कार्य का सुझाव नहीं देता है, बल्कि यह सुनिश्चित करने का लक्ष्य रखता है कि सभी संपत्तियों का प्रबंधन सही और कानूनी तरीके से किया जाए। इसके अलावा, यह समीक्षा प्रक्रिया किसी भी विसंगति को ठीक करने और वक़्फ़ संपत्तियों के प्रबंधन को मजबूत करने का अवसर प्रदान करती है।

यह सुनिश्चित करके कि सभी संपत्तियों का सही तरीके से दस्तावेजीकरण और उपयोग किया गया है, यह प्रणाली बेहतर निगरानी को बढ़ावा देती है और विवादों के जोखिम को कम करती है। अधिनियम में एक महत्त्वपूर्ण संशोधन वक़्फ़ बोर्डों में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिमों का बढ़ा हुआ प्रतिनिधित्व है। वक़्फ़ बोर्ड में मुस्लिम महिलाओं और गैर-मुस्लिम सदस्यों को सम्मिलित करना पारदर्शिता की दिशा में एक समावेशी और प्रगतिशील पहल है। यह समावेशी प्रतिनिधित्व बोर्ड को संभवतः अधिक संतुलित और न्यायसंगत प्रबंधन की ओर ले जाएगा और सभी हितधारकों की जरूरतों को पूरा करेगा, जिससे विभिन्न समूहों के बीच एकता और समझ की भावना विकसित करने में सहायता मिलेगी।

वक़्फ़ संपत्तियों का इतिहास भ्रष्टाचार और शोषण के उदाहरणों से भरा पड़ा है, जहां उनके प्रबंधन की जिम्मेदारी संभालनेवालों ने कई बार निजी लाभ के लिए अपने अधिकारों का दुरुपयोग किया है। परिणामस्वरूप मुस्लिम समुदाय के भीतर शैक्षिक, सामाजिक और धार्मिक कारणों का समर्थन करने के लिए बनाई गई मूल्यवान संपत्तियों का नुकसान हुआ है। नए नियम और निगरानी तंत्र आरंभ करने से वक़्फ़ संपत्तियों को न केवल शोषण से बचाया जा सकेगा, बल्कि यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि उनका उपयोग व्यापक समुदाय के लाभ के लिए किया जाए।

'आगाखानी वक़्फ़' और 'बोहरा वक़्फ़' जैसे शब्दों के लिए नई परिभाषाएं और स्पष्टीकरण प्रस्तुत करना वक़्फ़ प्रबंधन में अधिक स्पष्टता और सटीकता की दिशा में एक सकारात्मक कदम है। विभिन्न प्रकार की वक़्फ़ संपत्तियों को स्पष्ट रूप से परिभाषित करने का यह प्रयास गलतफहमी और विवादों से बचने में सहायता करेगा। इससे विभिन्न प्रकार की वक़्फ़ संपत्तियों को बेहतर ढंग से समझने और उनका प्रबंधन करने में सहायता मिलेगी। अगाखानी और बोहरा के लिए अलग-अलग औकाफ बोर्ड स्थापित करना एक सराहनीय निर्णय है, जो इन समुदायों की अनूठी जरूरतों और चिंताओं को पहचानता है।

केंद्रीय वक़्फ़ परिषद् का विस्तार करके गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल करना एक दूरदर्शी कदम है, जो समावेशिता और संतुलित शासन को बढ़ावा देता है। यह परिवर्तन निर्णय लेने की प्रक्रिया में अधिक विविध दृष्टिकोणों की अनुमति देता है, जिससे वक़्फ़ संपत्तियों का अधिक न्यायसंगत और सुव्यवस्थित प्रबंधन हो सकता है। केंद्र सरकार को विस्तृत वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने की आवश्यकता, उचित निगरानी और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नियमित और विस्तृत वित्तीय रिपोर्ट वक़्फ़ फंड के उपयोग की निगरानी और किसी भी अनियमितता की पहचान करने में मदद करेगी। यह एक सकारात्मक विकास है, जो वक़्फ़ संसाधनों के अधिक प्रभावी और जिम्मेदार प्रबंधन में योगदान देगा।

मुतवल्लियों (वक़्फ़ संपत्तियों के संरक्षक या प्रबंधक) के लिए योग्यता और अयोग्यता के मानदंड निर्दिष्ट करना इन संपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए एक तर्कसंगत और आवश्यक उपाय है। वक़्फ़ संपत्तियों के रखरखाव और उचित उपयोग की देखरेख में मुतवल्ली की भूमिका महत्त्वपूर्ण है, जो मुस्लिम समुदाय की धार्मिक, शैक्षिक और सामाजिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हैं। हालांकि, अतीत में ऐसे उदाहरण रहे हैं, जहां अपर्याप्त योग्यता या यहां तक कि संदिग्ध इरादोंवाले व्यक्तियों को इस भूमिका के लिए नियुक्त किया गया है, जिससे इन मूल्यवान संसाधनों का कुप्रबंधन और दुरुपयोग हुआ है।

अपने देश का मिलकर बढ़ाइए आकर्षण

पिछले दिनों अखबारों में छपी एक खबर ने बरबस ध्यान अपनी तरफ खींचा। प्रतिवर्ष लगभग 2.25 लाख भारतीय देश छोड़कर बाहर चले जाते हैं और यह पूरी दुनिया में किसी एक देश से प्रवसन या पलायन करने वालों की सबसे बड़ी संख्या है। 2023 में अंतरराष्ट्रीय प्रवसन का अध्ययन करने वाली एक रिपोर्ट के अनुसार, 2021 और 2022 में विकसित देशों की ओर होने वाले पलायन का सबसे बड़ा स्रोत भारत था। यह मिथक ही है कि सिर्फ रोजगार की तलाश में गरीब या मध्यवर्ग के लोग ही देश छोड़कर बाहर गए। बाहर पूंजी लगाने के लिए प्रवसन का अध्ययन करने वाले थिंक टैंक हेनले ऐंड पार्टनर्स के एक अध्ययन के अनुसार, संभावना है कि 2024 में ही 4,300 अरबपति भारत की नागरिकता छोड़ेंगे और यह इस श्रेणी में दुनिया में तीसरी सबसे बड़ी संख्या होगी। चीन (15,200) इस सूची में सबसे ऊपर है। यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि रोजगार के लिए बाहर जाने वालों में से काफी संख्या में लोग लौट आते हैं, पर अरबपति तो जाते ही हैं, अपना भारतीय पासपोर्ट जमा करके। भिन्न देशों की नागरिकता उन्हें लगभग खरीदनी पड़ती है। अर्थात वे वहां एक बड़ी राशि का निवेश या उसका वायदा करते हैं। इस तरह उनके जाने से देश उनके अनुभव के अलावा एक बड़ी धनराशि के निवेश से भी वंचित हो जाता है।

आज जब दावा किया जा रहा है कि भारत विकासशील देशों में सबसे तेज बढ़ती और विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है, क्योंकर ऐसा है कि हर समर्थ व्यक्तिअगर उसे मौका मिले, तो देश छोड़कर भागने के लिए तैयार बैठा है? विकास के निचले पायदान पर खड़े व्यक्ति की मजबूरी तो समझ में आती है, जो रोजगार की तलाश में देश के अंदर ही मारा-मारा फिरता है और अपना गांव-दुवार छोड़कर महानगरों में कई बार नारकीय जीवन भी चुन लेता है। यह वह तबका है, जो रूस की सेना में निश्चित मृत्यु का जोखिम उठाकर भी भर्ती हो रहा है या हाल में युद्ध के दहाने पर बैठे इजरायल में इमारती कारीगर बनने चला गया। इजरायल जाने वाले एक मजदूर की मजबूरी इस वाक्य से समझी जा सकती है कि वहां से पैसे भेजकर वह कम से कम अपने बच्चों का पेट तो भर ही सकेगा। इस तरह का गरीब मजदूर अपनी नागरिकता नहीं छोड़ता, बल्कि हर महीने कुछ न कुछ विदेशी मुद्रा भेजकर देश की मदद ही करता है। गए वित्तीय वर्ष में भारतीय नौकरीपेशा लोगों ने बाहर से 107 अरब डॉलर भेजे और हमारे विदेशी मुद्राकोष को बढ़ाने में सहायक हुए।

दक्षिण एशिया में भारत अकेली उम्मीद

बांग्लादेश भयानक उथल-पुथल से गुजर रहा है। वहां जनतंत्र इस्लामिक कट्टरवाद, पाकिस्तान प्रेरित आतंकवाद, सैन्य तानाशाही की आकांक्षा के प्रसार जैसे अनेक संकटों से जूझकर आगे बढ़ रहा था। बांग्लादेश के स्वतंत्रता संग्राम के योद्धा बंग बंधु शेख मुजिबुर्रहमान की पुत्री शेख हसीना अनेक मोर्चों पर जूझते हुए भी देश को विकास के रास्ते पर ले जाने के प्रयास में लगी थीं। अफसोस, विगत महीनों में यह प्रयास बाधित हो गया और ऐसी आंतरिक उथल-पुथल मची कि शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़ना पड़ा। अब वहां फिर सेना की ताकत बढ़ गई है।

यह कहने में हर्ज नहीं कि बांग्लादेश के 'राष्ट्र इन द मेकिंग' की प्रक्रिया को इससे गहरा धक्का लगा है। वहां मची हिंसा ने सामाजिक, जनतांत्रिक एवं राष्ट्रीय तंतुओं को छिन्न-भिन्न कर दिया है। न केवल बांग्लादेश, वरन आज पूरी दुनिया में अनेक तरह के पूर्वाग्रह, विघटनकारी धार्मिक या नस्लीय भाव एवं सैन्य प्रेरित आतंककवाद सिर उठाने लगे हैं। अनेक मुल्कों में आक्रामक भू-राजनीति, विघटन एवं विभाजन केंद्रित हिंसा को पड़ोसी मुल्कों से भी हवा दी जा रही है। इस नकारात्मक कार्य में अनेक महाशक्तियां और उनसे प्रभावित समर्थक देशों की भी बड़ी भूमिका है। ऐसी ही कुचेष्टाओं ने दक्षिण एशिया के अनेक मुल्कों जैसे - पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार इत्यादि में जनतंत्र को संकटग्रस्त कर दिया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि आधुनिकता ने जो सबसे मूल्यवान नीधि दुनिया को सौंपी थी, वह थी जनतांत्रिक व्यवस्था एवं जनतंत्र को पाने की चाह। वही बहुमूल्य नीधि आज के संदर्भ में संकटग्रस्त दिखने लगी है। इसके ज्वलंत उदाहरण हम बांग्लादेश में देख रहे है। यह हमारी सरकारों और समाज के लिए गहरे विचार का विषय होना चाहिए।

यहां प्रश्न यह उठता है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश जैसे अनेक देशों में जनतंत्र क्यों बार-बार संकटग्रस्त हो जाता है? इसकी सबसे बड़ी वजह वे आधार तत्व हैं, जिन पर इन मुल्कों में समाज और राष्ट्र निर्मित हुआ है। इनमें पहला आधारभूत तत्व इन देशों में हिंसा या टकराव की बुनियाद पर खड़ा समाज है। एक अच्छे समाज को समावेश पर आधारित होना चाहिए, जबकि एक बुरा समाज टकराव पर खड़ा होता है। मोहम्मद अली जिन्ना ने 'चिड़ियों की दो आंख' या द्वि-राष्ट्र के सिद्धांत के अनुसार ही भारत का विभाजन प्रस्तावित किया था। हम सब यह जानते हैं कि पाकिस्तान का निर्माण भारत विभाजन के लिए हुए भयंकर टकराव या हिंसा की बुनियाद पर हुआ। अफसोस, बाद में बांग्लादेश भी हिंसा की बुनियादी पर ही अलग हुआ या बना।

टकराव के दर्शन पर खड़े समाज अपने अंदर और बाहर हमेशा टकराव की ही दृष्टि पालते देखे जाते हैं। टकराव या अलगाव की इस संस्कृति और विश्व दृष्टि का एक बड़ा पोषक तत्व मजहब आधारित राष्ट्र की कल्पना है। मजहब आधारित राष्ट्रवाद हमेशा अपने भीतर आतंकवाद, कट्टरता को गति देता रहता है। ऐसे में, बाहरी व भीतरी विभाजनकारी तत्व योजनाबद्ध ढंग से काम करते हुए समाज और राष्ट्र के पूरे ढांचे को हिलाते एवं ध्वस्त करते रहते हैं। हम आसानी से देख सकते हैं कि अनेक देशों में इस्लाम अपने आध्यात्मिक एवं धार्मिक समाहार की शक्ति खोते हुए राजनीतिक अस्त्र में बदल गया है, जिसका इस्तेमाल प्रायः सैन्य तानाशाह एवं अन्य किस्म के तानाशाह करते रहे हैं।

इस तरह के समाज एवं राष्ट्रों में जनतंत्र के संकट का दूसरा बड़ा आधारभूत तत्व इन राष्ट्रों में उपजा आर्थिक संकट है। यह संकट इनके गलत एवं असंतुलित आर्थिक नीतियों की वजह से पैदा हुआ है। इसी आर्थिक संकट ने इन देशों में बेरोजगारी, जलालत एवं जहालत का भंवरजाल रचा है, जिसमें जनतंत्र का बार-बार खून होता है। अर्थव्यवस्था से निराश आबादी का इस्तेमाल तानाशाही, कट्टरपंथी एवं गैर-जनतांत्रिक शक्तियां ही करती हैं, जिससे समाज और राष्ट्र अव्यवस्थित हो जाता है। गौर कीजिए, बांग्लादेश में बेरोजगारी की वजह से ही आरक्षण विरोधी आंदोलन को बल मिला, जिसे कट्टरपंथियों ने हवा देकर हिंसक बना दिया। अब सवाल खड़ा हो गया है कि क्या बांग्लादेश की विकास यात्रा को अपूरणीय नुकसान हो चुका है? यह एक सबक है कि जो आरक्षण हाशिये के समूहों के सशक्तीकरण एवं सम्मान के लिए एक जनतांत्रिक प्रक्रिया के रूप में हमें मिला है, वह जब नकारात्मक मोड़ लेता है, तो समाज एवं राष्ट्र को तोड़ने के बड़े हथियार में बदल जाता है।

जिन दक्षिण एशियाई देशों में असंतुलित एवं हिंसक धार्मिक भाव राष्ट्र निर्माण के आधार होते हैं, वहां सैन्य तानाशाह प्रायः इन्हीं भावों का उपयोग करते हुए जनतंत्र को कमजोर कर देते हैं। हालांकि, बांग्लादेश का समाज भाषा, मजहब के साथ-साथ राष्ट्रीय मुक्ति आंदोलन के भाव से निर्मित हुआ था, इसलिए इसमें जनतंत्र, धर्मनिरपेक्षता एवं विकास की संभावना पाकिस्तान से कहीं ज्यादा रही है। बांग्लादेश की समकालीन राजनीति पर भारत का प्रभाव तो रहा है, पर इसकी भू राजनीति पर पाकिस्तान का सीधा हस्तक्षेप बना हुआ है।

यहां हमें यह विचार करना ही चाहिए कि भारत का समाज एवं राष्ट्र ऐसी विनाशक संहारक प्रवृत्तियों से क्यों और कैसे बार-बार उबरता रहता है? भारत के समाज में कई बार ऐसे संकट आते हैं, जनतंत्र कमजोर होता दिखता है, पर पुनः उन संकटों से उबरकर यहां जनतंत्र नई जीवन-शक्ति के साथ बहाल हो जाता है। इसका मुख्य कारण है- भारतीय समाज के ऐसे बुनियादी तत्व, जो इसे टकराव या अलगाव से बचाते हैं। अनेक दार्शनिक, ऐतिहासिक कारणों और अनुभवों के चलते आइडिया ऑफ इंडिया का विचार हमें टकराव से बचाकर समाहार की राह पर रखता है।

आजादी के बाद हमारे प्रमुख राष्ट्र निर्माताओं - महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, वल्लभभाई पटेल, बाबा साहेब आंबेडकर ने आइडिया ऑफ इंडिया को नव-निर्मित करते हुए एक ऐसे राष्ट्र की नींव रखी, जहां जनतंत्र निरंतर विकसित होता रहे। ऐसा राष्ट्र बने, जिसमें पंक्ति में खड़े अंतिम नागरिक तक देश के संसाधनों को पहुंचाया जा सके, ताकि वह विभाजनकारी ताकतों के हाथ में विघटन का औजार न बने।

जिन्ना ने 'हम साथ नहीं रह सकते' के टकराव भाव के साथ पाकिस्तान को बनाया था, जबकि गांधीजी मिलकर रहने या समाहार की बात लगातार करते चले गए। अब भारत को लगातार कोशिश करनी चाहिए कि उसके चरित्र में समाहार और सद्भाव का भाव वैसे ही बना रहे, जैसी उम्मीद संविधान ने की थी, तभी हम हर संकट से बचे रहेंगे।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ

राष्ट्रभक्ति की सांस्कृतिक संध्या का आयोजित हुआ भव्य कार्यक्रम

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर, सहारनपुर काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगांठ की पूर्व संध्या के अवसर पर जनमंच सभागार में राष्ट्रभक्ति की सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राज्यमंत्री बृजेश सिंह, महापौर डॉ0 अजय कुमार, नगर विधायक राजीव गुंबर, मंडलायुक्त डॉ0 हृषिकेश भास्कर यशोद, पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा एवं जिलाधिकारी मनीष बंसल द्वारा द्वीप प्रज्वलित कर किया गया। इस दौरान कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले कलाकारों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न कलाकारों के दलों ने अपनी प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में स्थानीय कलाकारों नीरज कुमार एवं रमेश कुमार के दलों ने राष्ट्रभक्ति की भावना से ओतप्रोत होकर लोकगायन, नृत्य और रागिनी पर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश

महाजन, अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ0 अर्चना द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, निदेशक उत्तर प्रदेश संगीत नाटक एकेडमी डॉ0 शोभित नाहरउपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, जिला सूचना अधिकारी दिलीप कुमार गुप्ता, सहित जिला स्तरीय अधिकारीगण, गणमान्य व्यक्ति एवं भारी संख्या में दर्शक उपस्थित रहे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में देवबंद में भाजपाइयों ने नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश का पुतला फूंका

भारत सरकार को एसडीएम के माध्यम से एक ज्ञापन भेजकर नाराजगी भी व्यक्त की गई

सहारनपुर । देवबंद, भाजपा कार्यकर्ता देवबंद नगर के पूर्व मंडल अध्यक्ष गजराज राणा एवं बडगांव मंडल के पूर्व अध्यक्ष नितिन राणा के नेतृत्व में सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकताओं ने आज देवबंद एसडीएम कोर्ट पर एकत्र होकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में नारेबाजी करते हुए बांग्लादेश का पुतला फूंका। इस दौरान भारत सरकार को एसडीएम के माध्यम से एक ज्ञापन भेजकर नाराजगी भी व्यक्त की गई। इस दौरान भाजपा नेता चौधरी श्याम सिंह व शशि त्यागी ने कहा कि भारत देश ने हमेशा सभी धर्मों का न केवल सम्मान किया है बल्कि उनको संरक्षण देने का काम भी किया है। वही जेहादी सोच व

कट्टरवादी समूहों ने पूरे विश्व भर में फैले हिंदुओं पर अत्याचारों की सीमा को लांघ ही दिया है व उनकी धार्मिक आधार पर पहचान कर उनको मारा गया है और देश छोड़ने पर विवश कर दिया है। हमें भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व भर के हिंदुओं के हित व सुरक्षा की चिंता है। सरकारे इसका संज्ञान ले लें। इस दौरान नरेंद्र राणा, दीपक त्यागी, मनीष त्यागी, आनंद वर्मा, चौधरी महिपाल सिंह, चौधरी बिजन सिंह, प्रवीण राणा, आदित्य राणा भायला, ठाकुर राजपाल सिंह, बिजेंद्र गुप्ता, ठाकुर किरणपाल सिंह, सुधीर कुमार राणा, अमरीश राणा, अमित राणा रणखंडी, डॉ. प्रदीप वर्मा और विकास राणा, ठा किरणपाल सिंह, डा. विकास राणा आदि मौजूद रहे।

देवबंद सिविल बार एसोसिएशन ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार का करा विरोध

अध्यक्ष नरेश कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एसडीएम देवबंद के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा

गौरव सिंघल। सिटी चीफ
सहारनपुर 7 देवबंद, बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुए अत्याचार के विरोध में सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के अध्यक्ष नरेश कुमार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एसडीएम देवबंद के माध्यम से महामहिम राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा है। अधिवक्ताओं ने ज्ञापन के माध्यम से भारत सरकार से मांग की है कि बांग्लादेश में रह रहे हिंदू समाज की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया जाए और दोषी लोगों के खिलाफ फांसी की कार्रवाई की जाए। कहा कि इस प्रकार का

अमानवीय कृत्य बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है। ज्ञापन देने वालों सिविल बार एसोसिएशन देवबंद के अध्यक्ष नरेश कुमार, ठाकुर सुरेंद्र पाल,? रामप्रताप सिंह, सुरेश चंद त्यागी, राजवीर शर्मा, मुसर्लीन, अमित सिंघल, अजय पाल, आशीष शर्मा, कपिल, ठाकुर बबल सिंह, आदि अधिवक्ता मौजूद रहे

कटनी में नागपंचमी के दिन परंपरा के नाम पर सांपों की यातना

पशु प्रेमी अमिता श्रीवास ने सपेरों से छुड़ाए बेजुबान

सुनील यादव । सिटी चीफ
कटनी, नागपंचमी का पर्व पर कटनी शहर सहित समूचे जिले में परंपरागत तरीके से उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। इस अवसर पर सुबह से ही घरों में पूजा अर्चना का सिलसिला शुरू हो चुका था। बड़ी संख्या में लोगों ने मंदिरों में जाकर विधि विधान के साथ ही पूजा अर्चना करते हुए मनोकामना मांगी। वही इस त्यौहार में घर घर जाकर सांपो को दर्शन कराने वाले कई सफेरे दिखाई दिए वही इसकी जैसे ही सूचना कटनी जिले की पशु प्रेमी अमिता श्रीवास को लगी वह तुरंत ही गटर घाट और काई इलाको से इन सफेरो को पकड़

उनके पास रखे सभी प्रकार के सांपो को अपने कब्जे में ले लिया अमिता की इन सफेरो से बहस बाजी भी हुई और अमिता ने जैसे ही उसकी सूचना वन विभाग को दी सभी सफेरे अपने अपने सांपो को छोड़ भाग गए। अमिता श्रीवास पशु प्रेमी है और वह कई सालो से घरों में घुसे सांपो को पकड़ने का भी काम करती है। अमिता श्रीवास ने यह भी बताया की सभी सांपो को बांस की टोकरी में रखा गया है और उनके मुंह को सुई धागे से सील दिया गया है जिससे वह ऐसा सांस ही ले सकते है लेकिन कुछ भी खा नही सकते और ये बेजुबान सांपो के सहारे आस पास के जिले के रहने वाले लोग साधु का भेस भूसा रख नागपंचमी की सुबह से ही शहर के काई इलाको में जाकर रूपयो की उगाही करते दिखाई दे जाते है। अमिता ने यह भी बताया की जब वह इन सपेरों को पकड़ा तो उनमें से तो कई लोग लड़ने भी लगे थे और इन सांपो के मुंह को इन सपेरों द्वारा सुई धागे से सील दिया गया था। अमिता ने बताया की नागपंचमी के काई दिन पहले से ही ये सपेरे जंगल से इन सांपो को पकड़ एक बांस की टोकरी में रख इसके मुंह को सील देते है जिससे ये बेजुमान सांप कुछ भी खा पी नही पाते है, सपेरों के साथ कई महिलाएं भी शामिल दिखाई दी। अमिता ने बताया की वह सभी सांपो कों लेकर वन विभाग के हवाले करेगी वही अमिता ने बताया की उसने वन विभाग को इसकी सूचना दी थी लेकिन वन विभाग की टीम उसके साथ नही आई और वह खुद अकेले अपने साथ कुछ सहयोगी के साथ इन सफेरो को पकड़ा है। अमिता श्रीवास ने यह भी बताया वह कई सालो से घरों में घुसे सांपो को पकड़ने का काम कर रही है और उसने वन विभाग के कई अधिकारियों से सांप पकड़ने के लिए उपकरण की मांग की थी लेकिन उसे आज तक उपकरण वन विभाग द्वारा उपलब्ध नहीं कराए गए।

दमनसिंह राहंगडाले विधायक प्रतिनिधि जनपद पंचायत लालबर्रा

घोटी में 11 अगस्त को निकलेगी कावड़ यात्रा

किया जायेगा सुंदरकांड पाठ का आयोजन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ
लालबर्रा, भगवान शिव के भक्तों को सावन महीने का बहुत बेसब्री से इंतजार रहता है.इस पावन पवित्र महीने में कांवड़ यात्रा भी निकालकर शिवभक्त अपनी मनोकामना पुरी करते है एवं महादेव के भक्त समीपस्थ नदी (वैनगंगा) से जल भरकर लाते हैं और शिवलिंग का जलाभिषेक करते हैं उसी तारतम्य मे लालबर्रा मुख्यालय से लगभग 5 किमी दूर ग्राम पंचायत घोटी में स्थित हनुमान मंदिर से 11अगस्त को प्रात:08बजे कावड़ यात्रा निकाली जायेगी जो पोटियापाट में स्थित भोले बाबा को जलाभिषेक कर वापस होगी, वापसी पश्चात ग्राम के हनुमान मंदिर में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया जायेगा उक्त संबंध की जानकारी देते हुए कावड़ यात्रा समिति पदाधिकारी सीताराम गजबे ने बताया कि कावड़ यात्रा एवं सुंदरकांड पाठ कार्यक्रम गत दिवस सार्वजनिक बैठक आहुत की गई, जिसमें सर्वसम्मति द्वारा 11 अगस्त को श्रावण मास के पावन अवसर पर ग्राम की खुशहाली, अच्छी

फसल के साथ-साथ क्षेत्र में सुख-समृध्दी की कामना हेतु कावड़ यात्रा एवं सुंदकांड पाठ का आयोजन करवाया जायेगा। इस आयोजन में ग्रामीणजनों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर धर्मलाभ पून्य अर्जित करने की अपील चेतन गौतम, गनीराम रहांगडाले, वासुदेव लानगे, सीताराम गजबे,किशोर लानगे, लक्ष्मण बोमचर, गजेन्द्र अंगुरे, नितेश सार्वे, रवि गोले व सुरेन्द्र आश्वले सहित अन्य ग्रामीणजनो ने की है।

बरही निवासी महिला को पुलिसकर्मी ने दी धमकी

महिला ने सीएम हेल्पलाइन शिकायत बंद कराने के लिए दबाव बनाने का लगाया आरोप

सुनील यादव। सिटी चीफ
कटनी, कटनी जिले की बरही निवासी एक महिला को एक पुलिस कर्मी द्वारा सीएम हेल्प लाइन की शिकायत जबरन बंद कराने के लिए व्हाट्सएप कॉलिंग के माध्यम से डराने धमाके साथ ही गली गालोच करने का मामला प्रकाश में आया है जिसकी एक वीडियो भी पीड़िता के पास है। पीड़िता राधा चक्रवर्ती ने बताया की वह बरही निवासी है और उनका पति मैहर के अमदरा थाना क्षेत्र का है और उनका और उसके पति का घरेलू विवाद चल रहा है जिसकी रिपोर्ट दर्ज कराने वह कई बार अमदारा थाना पहुंची लेकिन उनकी रिपोर्ट नही लिखी गई, जिसके बाद वह सीएम हेल्प लाइन में आपनी शिकायत दर्ज कराई थी जिसके बाद अमदरा थाने में पदस्थ सुखी लाल नमक पुलिस कर्मी उसे

लगातार फोन कर सीएम हेल्प लाइन बंद कराने के लिए दवाब बना रहा था और जब उसने शिकायत बंद कराने से मना कर दिया तो अमदरा थाना में पदस्थ पुलिस कर्मी सुखी लाल व्हाट्सएप पर कॉलिंग उठाने के लिए कहा जब उसने फोन उठाया तो सुखी लाल ने उसके साथ अभद्रता पूर्ण बातचीत की ओर गली गलोच करते हुए शिकायत बंद कराने का दबाव बनाने लगा जिसकी उसने अपने दूसरे फोन से वीडियो बना ली है और इस पूरे मामले कों लेकर वह अपने कटनी जिले के अधिवक्ता मेसूफ अहमद बिट्टू के पास पहुंची। अधिवक्ता मोसूफ बिट्टू ने बताया की यह बड़ी ही दुखद की बात है की मध्यप्रदेश में ऐसे कई मामले सामने आए है की महिला द्वारा जबरन सीएम हेल्प लाइन कटाने के लिए पुलिस कर्मी अभद्रता करते है। लेकर इस मामले में तो महिला की सूज बुझ के चलाते इसका वीडियो सामने आ चुका है। जिसकी उच्च अधिकारियों से शिकायत की जाएगी।

बारिश का कहर नदी नाले उफान पर पुल के ऊपर बह रहा पानी

लगातार शहडोल में हो रही बारिश से जिले में अब तक 191.0 मिमी.कुल वर्षा दर्ज की गई वहीं औसत वर्ष 27.3 मिमी. दर्ज की गई है। इसी तरह 1 जून से अबतक कुल 4268.0 मिमी. कुल वर्षा व औसत वर्षा 609.7 दर्ज की गई है, गुरुवार की शाम छत्तीसगढ़ जाने वाला एक भीतरी मार्ग बंद हो गया है, नाला उफान में है जिसकी वजह से मार्ग को पुलिस के द्वारा बंद करा दिया गया।

शहडोल से मनेन्द्रगढ़ का भीतरी मार्ग बंद

शहडोल, जिले में बीते कुछ दिनों से हो रही रुक रुक कर बारिश अब लोगो के लिए आफत बन गई है, छोटी नदियां नाले उफान में है, जिससे कई गांव का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। गुरुवार की शाम छत्तीसगढ़ जाने वाला एक भीतरी मार्ग बंद हो गया है, नाला उफान में है जिसकी वजह से मार्ग को पुलिस के द्वारा बंद करा दिया गया। गुरुवार की शाम दो नाले उफान में आने की वजह से छत्तीसगढ़ के केलहरी से मनेंद्रगढ़ को जाने वाला मार्ग अवरुद्ध हो गया है। इस बारिश में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है। जानकारी के मुताबिक बुढार थाना क्षेत्र के केशवाही चौकी अंतर्गत कुड्डी नाल एवम कोटा नाला गुरुवार की शाम पुल के ऊपर से बहने लगा है, जिसकी वजह से मार्ग अवरुद्ध हो गया है। कई गांव का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है, जिसमें झींक बिजुरी, दर्शीला, रमना कनेर सहित आधा सैकड़ा गांव शामिल है। यह मार्ग छत्तीसगढ़ के केलहरी होते हुए महेंद्रगढ़ को जोड़ता है। गुरुवार की शाम से मार्ग बंद हो गया है नाले के पुल के उपर से पानी बह रहा है, जिसकी वजह से आवागमन को पुलिस ने बंद कर दिया है। पुलिस ने बताया कि पुल से लगभग 2 फीट पानी ऊपर चल रहा है, मार्ग पर बैरिकेट्स लगाकर पुलिस बल की तैनाती की गई है। और आवाजाही करने वाले लोगों को रोक दिया गया है। इस बरसात में जिले में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, नदियां नाले उफान थे और पुल के ऊपर पानी बह रहा था, लेकिन लोग उसे पार कर रहे थे, जिसमे बहाने से अलग अलग घटनाओं में अब तक चार लोगों की मौत हो चुकी है, जिसमे ब्यौहारी में एक युवक रपटा से बह गया था,जिसकी लाश दुसरे दिन मिली थीं, तो दुसरी घटना सीधी थाना क्षेत्र में हुई थीं, और दो लोगो की ओदारी पुल से बहने से मौत हो चुकी है। अब तक इस बारिश में पुल के ओवर फोलो पानी में चार लोगों की बहने से मौत हो गई है।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया.....

चौकी क्षेत्र के दो नाले उफान में है, पुल के ऊपर से पानी बह रहा है जानकारी लगने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर आवाजाही रोक दी है। मार्ग को बैरिकेट्स लगाकर बंद कर दिया गया है। यह मार्ग छत्तीसगढ़ को जोड़ने का एक भीतरी ते मार्ग है। **आशीष झारिया, चौकी प्रभारी थाना केशवाही, शहडोल**

जनपद में सामान्य सभा कि बैठक में राशि वितरण को लेकर पक्ष विपक्ष में तकरार

जनपद सदस्य जाहिद खान ने उठाए अनेक मुद्दे बिना सहमति प्रस्ताव पारित करने का लगाया आरोप

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, जनपद पंचायत के सभागार में 8 अगस्त को सामान्य सभा कि बैठक का आयोजन किया गया जो काफी हंगामेदार रहा विपक्षी जनपद सदस्यों ने अनेक मुद्दे पर सवाल जवाब किए तथा जनपद पंचायत अध्यक्ष,उपाध्यक्ष व जनपद प्रशासन पर 15 वें वित्त कि 98 लाख रुपए कि राशि वितरण करने,जनपद पंचायत में करवायें गये कार्य पर भी सवाल उठाए तथा पिछले वर्ष जो मुख्यमंत्री कन्या विवाह का आयोजन हुआ था उस पर भी राशि में गोलमाल का आरोप लगाया गया तथा जनपद पंचायत से आबाठित 289 भुखंड को लेकर भी सवाल जवाब किया गया जिस पर वरिष्ठ लेखापाल वा के गौतम द्वारा संतोषप्रद जवाब नहीं दिया है। विपक्ष के जनपद सदस्यों ने कहा कि जो भी प्रस्ताव पारित करना है सामान्य सभा कि बैठक में पारित करने एवं नियमानुसार काम करने कि मांग पर अड़ें रहे वहीं पक्ष के जनपद सदस्यों के द्वारा कुछ मुद्दों पर टालमटोल करते हुए भी नजर आये वहीं विपक्षी सदस्यों द्वारा मुद्दों पर बहस करने पर उनके द्वारा बैठक से बाहर किए जाने सीईओ से गुहार लगाते भी रहे, किंतु विपक्षी जनपद सदस्यों द्वारा अपनी बात पूरी दमदारी से रखी गई तथा 2023-24 में जो 15 वें वित्त कि राशि आई है उसे सभी सदस्यों में बराबर बराबर बांटने कहा गया परंतु पक्ष के जनपद सदस्यों के द्वारा कहा गया कि सामान्य सभा कि बैठक में बहुमत के आधार पर राशि वितरण कर लिया गया जिस पर विपक्ष के जनपद सदस्यों के द्वारा आपत्ति लगाते हुए 15 वें वित्त राशि वितरण सहित अन्य कार्य में कि गई अनियमितता को लेकर लेकर कोर्ट जाने कि बात कही। बैठक में यह भी प्रस्ताव लिया गया कि जनपद पंचायत कार्यालय में 15 अगस्त को प्रात: 7:30 बजे जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के द्वारा व बस स्टैंड गांधी मंच में जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल के द्वारा ध्वजारोहण किया जायेगा साथ ही साथ सभी शासकीय कार्यालयों में 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर 7:30 बजे ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस सौहार्द पुर्वक मनाने का निर्देश दिया गया है। वहीं बैठक में चार विभाग के अधिकारी अनुपस्थित रहे जिनमें पीएचई, बिजली विभाग, वनविभाग लामता व पीडब्ल्यूडी विभाग शामिल रहे हैं जिन्हें नोटिस जारी करने कि बात कही गई है वहीं बैठक कि अध्यक्षता जनपद पंचायत उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल,विधायक प्रतिनिधि दमन सिंह राहांगडाले, प्रभारी जनपद सीईओ ममता कुलस्ते,वा के गौतम वरिष्ठ लेखापाल व प्रभारी खंड पंचायत अधिकारी खिलेन्द्र सोनवंशी उपस्थित रहा हैं।

विभिन्न विषयों पर चर्चा कर आगामी वर्ष कि बनाई गई कार्ययोजना- विदित हो कि उक्त आयोजित बैठक में विभिन्न विषयों पर विस्तार पूर्वक कि गई तथा आगामी वर्ष के लिए कार्ययोजना बनाई गई है, वहीं पीएचई विभाग, महिला बाल विकास व वन विभाग द्वारा अपने अपने कार्यों कि जानकारी दी गई हैं तथा जनपद पंचायत के द्वारा जो भूखंड आवंटित किए गए हैं,उनका अनुबंध व किसके नाम से दुकान आबाटिंत है और उसे कौन संचालित कर रहे हैं वहीं कुछ लोगों के द्वारा जो जनपद से जो भूखंड

आवंटित किए गए है उनका अनुबंध व दुकान किसके नाम से आबाटित है और उसे कौन संचालित कर रहा है एवं कुछ लोगों के द्वारा लाखों रुपए लेकर जनपद के द्वारा आबाटित भूखंडों को बेच दिया गया है जो नियम विरुद्ध है उसकी जांच कर कार्यवाही होना चाहिए।

वहीं बैठक में उपस्थित जनपद सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र कि समस्याओं से उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराये है।

इनका कहना है।

आज सामान्य सभा की बैठक आहूत की गई थी बैठक काफी लंबे समय के बाद हुई 5 से 6 महीने के बाद आहुत कि गई 4-5 मुख्य विषय पर बात होना था आज हमारी जनपद अध्यक्ष अनुपस्थिति रही उपाध्यक्ष महोदय ने आज बैठक की अध्यक्षता की इस बैठक में हमारे जनपद के विधायक प्रतिनिधि दमन रहांगडाले जी उपस्थित थे विभागीय वार चर्चा हुई तथा 15वां वित्त की जो राशि है उसको लेकर 23-24 की राशि को लेकर चर्चा हुई 23-24 की जो राशि कार्य योजना जो सत्ता पक्ष के जनपद सदस्य हैं उनके द्वारा कार्य योजना घर में ही बना ली गई उस कार्य योजना को उनके बहुमत के हिसाब से तो कार्य योजना बना ली गई लेकिन सामान्य प्रशासन की बैठक में कार्य योजना बनाने के बाद सामान्य सभा में उस कार्य का अनुमोदन करना होता है जो विधिवत प्रक्रिया है बहुमत एक तरफ है लेकिन नियमों को तक पर रखकर उस योजना को फॉलो करना चाहते हैं हमारे द्वारा आपत्ति दर्ज की गई, ठीक है आपके पास बहुमत है आप विपक्ष के लोगों को यह राशि नहीं देना चाहते मत दीजिए नियम भी कोई चीज है सामान्य सभा की बैठक में उस प्रस्ताव का अनुमोदन होना था उन्होंने अनुमोदन नहीं किया इसी विषय को लेकर हमारे द्वारा उनसे कहा गया कि आप विपक्ष के अधिकारों का कितने बार हनन करोगे इसी बात को लेकर गरमा गरमी बहस भी हुई दूसरी बात 24-25 कि कार्ययोजना बहुमत के विषय पर आज बात होना था आपने देखा कि सीईओ मैडम के द्वारा योजना को पढ़कर सुनाया जा रहा था जो कि पहले से ही ऐसा लग रहा था कि सारी चीजों का एक्सप्लेन कर लिया गया कार्य योजना बना ली गई है आज कार्य योजना के विषय पर चर्चा होना था बहुमत की बात होना था लेकिन पहले से ही कार्य योजना को पढ़कर सुनाया जा रहा था उस पर भी हमारे द्वारा आपत्ति ली गई पहले तो बहुमत हो जाएगी 24- 25 की राशि है वह 25 जनपद सदस्यों में बटेगी या बहुमत के हिसाब से बटेगी आपने उसे चीजों को भी फॉलो नहीं किए सीधे कार्य योजना बनाया गया उसको पढ़कर सुनाया जा रहा था देखिए जहां तक अपने अधिकार के लिए लड़ने की बात है या अधिकार की बात और हमें राशि नहीं दी जा रही है और जो यहां कार्य योजना बनाई गई है मैं उसे कार्य योजना कि ओसी मांगा हूं वह लेटर मांगा था जो सामान्य प्रशासन की बैठक में इनके द्वारा जो निर्णय लिया गया है जो आज सामान्य सभा में रखा गया है उसको लेकर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे इसलिए खटखटाना है कि हमें आवश्यकता है क्योंकि इनके द्वारा चोरी से उस कार्य योजना को बनाया गया है जो कार्य योजना जनपद के सभा हाल में होना था बालाघाट जिले की बाकी जनपद का हाल देखेंगे वहां पर भी पक्ष विपक्ष है लेकिन सारी जगह पर सामान्य रूप से आपसी सहमति से राशि का वितरण किया जा रहा है हमारे जनपद सदस्य संघ के जो अध्यक्ष हैं उन्होंने भी इस बात नजर अंदाज कर दिए बहुत दुख हुआ कि जिन्हें आज जनपद सदस्य के अधिकार की बात करना चाहिए उनको चाहिए था कि मैं जनपद सदस्यों के अधिकार की बात करूं लेकिन मुझे दुख हुआ इस बात का की जिनको हमने अध्यक्ष बनाया संघ का वह अपने 25 सदस्यों की बात नहीं कर पा रहे हैं इससे बड़े दुख और तकलीफ का विषय क्या हो सकता है जनपद में ही भ्रष्टाचार पहले इसको दूर कीजिए पंचायत हम बाद में जाएंगे पहले हमारे जनपद में ही भ्रष्टाचार लिप्त है इसको दूर कब करोगे सामूहिक विवाह जो हुआ था उसे सामूहिक विवाह में शासन से जो राशि निकलती है इनके द्वारा उसे राशि में भी भारी भ्रष्टाचार किया गया था।

जाहिद खान जनपद सदस्य

15 अगस्त व 15वें वित्त की राशि 23 - 24 का अनुमोदन कराना था 24 -25 की कार्य योजना लगभग इसी विषय पर चर्चा हुई इसके अलावा अन्य विषय भी निकल कर आये जनपद पंचायत के दुकानों के संबंध में जनपद के कंस्ट्रक्शन के कुछ मुद्दे आए मुझे थोड़ा सा अध्ययन करना पड़ेगा इसमें क्या कमियां है सदन के सामने मैंने कुछ कमेंटमेंट किया है अन्य विभागों की समीक्षा की गई है महिला बाल विकास विभाग एग्रीकल्चर विभाग पशुपालन विभाग इन सब की समीक्षा की गई है कुछ विभाग अनुपस्थित थे जो विभाग अनुपस्थित थे कलेक्टर महोदय को यहां से पत्र जारी करेंगे उनसे रिक्वेस्ट करेंगे की यहां की बैठक पर वे यहां आए 15 वें वित्त कि राशि सदस्यों को डिवाइड करके देना था लेकिन उसमें यह निर्णय लिया गया कि 17 ऐसे हैं जो बीजेपी से हैं और 8 सदस्य कांग्रेस से हैं बहुमत के आधार पर उनके प्रस्ताव पारित हो गए हैं लगभग इन्हीं के काम सैंक्शन हुए हैं उपाध्यक्ष जी ने आश्वासन दिया है कि उनको भी आगामी कार्य योजना में प्राथमिकता देंगे सामंजस्य बनाने का प्रयास करेंगे।

ममता कुलस्ते प्रभारी जनपद सीईओ

राशि के संबंध में खुली चर्चा है हमारा परफॉर्मेंस जो मद है उसमें मैं जब भोपाल गया था माननीय मंत्री जी से कहा कि जिस प्रकार से सरपंच ग्राम पंचायत को राशि देते हैं उस राशि का वहीं पर डिवाईडेशन टाइड अनटाइड के माध्यम से हो जाता है चूंकि आप जनपद को भी लगभग एक करोड़ की राशि दे रहे हैं तो मेरा सुझाव है निवेदन भी है यह राशि आप जनपद का जो हमारा क्षेत्र है जैसे जनपद पंचायत लालबर्रा में 25 जनपद सदस्य हैं आप 25 जनपद सदस्य को सदस्य वाइस दे दीजिए और प्रत्येक बीडीसी क्षेत्र में उसे राशि का टाइड अनटाइड का अनुपात वही कर दीजिए वही राशि वितरण को लेकर उनसे राशि वितरण के संबंध में सवाल जवाब किया गया तो उन्होंने घुमा फिराकर जवाब दिया कि पूरा तो नहीं रोटेशन के माध्यम से जनपद पंचायत बालाघाट में काम हो रहा है और इसके लिए आगे भी कोशिश कर रहे हैं सदस्यों से चर्चा कर रहे हैं आगे अच्छा काम हो।

किशोर पालीवाल जनपद पंचायत उपाध्यक्ष

जब से प्रतिनिधि बने हैं विधायक जी के तब से अलग-अलग पंचायत की शिकायतें आती है पंचायत में इंजीनियर लोग घर में बैठ के एस्टीमेट बना लेते हैं और जगह पर जाकर जगह को देखा नहीं जाता तो उसकी वजह से पाईप पुलिया स्टॉपडैम गलती ही जगह बना दिया गया है जहां उसकी जरूरत ही नहीं है सरकार के पैसों का अन्यत्र जगह उपयोग किया जा रहा है आज उनको मैंने मौखिक रूप से बोला है कि इस बात का भविष्य में विशेष ध्यान रखा जाए, यह लापरवाही है जनपद पंचायत के सीईओ कि सीईओ सर के द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है सीईओ के द्वारा यदि ध्यान दिया जाता तो यह विडंबनाऐं नहीं आती प्रयास किए जाएंगे कि इंजीनियर लोग मौके पर जाये मौका स्थल पर जाकर ही टीएस करें और 15 वां वित्त की राशि के बारे में कड़वी सच्चाई है कि यहां पर जनपद पंचायत लालबर्रा के भारतीय जनता पार्टी की बॉडी बैठी हुई है उनके अध्यक्ष भी भारतीय जनता पार्टी के हैं उपाध्यक्ष भी व उनके 17 सदस्य हैं कहीं ना कहीं भेदभाव क्योंकि कांग्रेस के आठ सदस्य हैं पहले उनकी राशि को लालबर्रा के मेन रोड के लिए जो कमरों के लिए दि गई उसमें भी 8 सदस्यों ने हामी भरी की चलो ठीक है अच्छा है स्वच्छ सुंदर शहर बनेगा सेकंड बार की राशि 17 सदस्यों में बांट ली गई और तीसरी बार की राशि 17 सदस्यों भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों को दी गई आज मेरे द्वारा 3 घंटे तक मान मनोबल किया कि यह भी जनता के द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि हैं इन्हें ज्यादा नहीं दे सकते तो रोटेशन लाइन में चार को दे दीजिए उन्होंने इकरार कर दिया कि हम अगली बार देंगे क्या भरोसा की अगली बार मिलेगी कि नहीं अगली बार का मैटर है वह जनता के चुने हुए प्रतिनिधि हैं उनको भी गांव में जाकर जवाब देना है उनका भी दायित्व उतना ही है उनकी भी जनता उनसे उतनी ही उम्मीद रखती है वह वंचित हो गए हैं।

धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस आदिवासी संस्कृति परंपरा का दिखा अनोखा संगम

राणापुर विश्व आदिवासी दिवस ,की आप सभी दर्शकों को बहुत बहुत शुभकामनाएं। धूमधाम से मनाया जा रहा है आज पूरे देश में मनाया गया । ,विश्व आदिवासी दिवस, प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है । इस वर्ष भी आदिवासी समाज में ,काफी उत्साह है आज के दिन को लेकर देखा गया । राणापुर नगर में धूमधाम से मनाया गया विश्व आदिवासी दिवस । डीजे की धुन में थिरकते हुए आदिवासी समाज के युवक युवतियां रेली में सम्मिलित हुए । । जोबट नाके पर आदिवासी दिवस मानने को लेकर ग्रामीण जन एकत्रित हुए । जोबट नाके से डीजे पर थिरकते हुए सेकडो की संख्या में युवक युवतियां जुलूस में दिखाई दिए । । विश्व आदिवासी दिवस को लेकर ताजा उत्साह इस वर्ष भी देखने को मिला । कई गावों से अलग अलग टोलिया डीजे के साथ राणापुर पहुंची । कई गावों से अलग अलग टोलिया बनाकर सेकडो की संख्या में आदिवासी समाज के लोग आज रानापुर पहुंचे । वही हर गांव से एक अलग डीजे साउंड देखने को मिला ।

आदिवासी पारंपारिक वेश भूषा । आज विश्व आदिवासी दिवस के दिन आदिवासी संस्कृति परंपरा रीति रिवाज वेशभूषा देखने को मिली । एक ड्रेस कोड ने युवतियां दिखाई दी । वही चांदी के गहनों के साथ कई महिलाएं दिखाई दी तो पुरुष भी पारंपरिक तरीके से आदिवासी पोशाक में दिखाई दिए । हाथो में तिर कमान ,गोफन लिए कई पुरुष टोलिया बनाकर आज पहुंचे । महिलाए सज धज कर पहुंची ।

अनोखा संगम देखने मिला । आदिवासी दिवस प्रतिवर्ष 9 अगस्त को मनाया जाता है । इसे मूल निवासी दिवस भी कहा जाता है । 1974 से विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता आ रहा है । प्रतिवर्ष इस आयोजन को आदिवासी समाज द्वारा बढ़ चढ़कर किया जाता है । इस वर्ष भी आदिवासी संस्कृति का संगम दिखाई दिया ।

आदिवासी दिवस क्यू मनाया जाता है । आदिवासी दिवस 1974 से मनाया जाता है । इसे जनजाति दिवस भी कहा जाता है ,साथ ही इसे मूल निवासी दिवस भी कहा जाता है । 1974 में इसे मूल निवासी दिवस के रूप में मानने की लेकर इस दिन की घोषणा की गई थी । इसे मानने का उद्देश्य प्रकृति के बचाव को लेकर जागरूकता लाना ,समाज में पारंपरिक रीति रिवाज संस्कृति को लेकर जागरूकता लाना , व आदिवासी समाज को मजबूत बनाने को लेकर मनाया जाता है । इस दिन को मूल निवासी दिवस के रूप में पूरे विश्व में मनाया जाता है । वही आदिवासी समाज आदि अनादि काल से धरती पर निवासरत है । इसलिए समस्त समाज मिलकर आज के दिन 9 अगस्त मूल निवासी दिवस को आदिवासी दिवस के रूप में मनाता है ।

इधर राजस्व महाअभियान उधर शासकीय भूमि पर दबंगो का कब्ज़ा

कलेक्टर द्वारा आवंटित भूमि संरक्षित करने में छूट रहा पसीना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ शहडोल, जिले के नगर परिषद जयसिंहनगर क्षेत्र में मुख्य मार्ग सहित अन्य जगहों पर अतिक्रमणकारियों के द्वारा धड़ल्ले से अवैध निर्माण कराया जा रहा है। लेकिन मजे की बात तो यह है कि 6 वर्ष पूर्व कलेक्टर के द्वारा नगर पालिका को आवंटित की गई भूमि पर किया गए कब्जे पर महज दिखावे के लिए प्रशासन का बुलडोजर तो चला लेकिन आज भी भूमि को संरक्षित नहीं किया गया है। ऐसा लगता है भूमि को संरक्षित करने में एसडीएम, तहसीलदार, आरआई और पटवारी के द्वारा उक्त भूमि का सीमांकन करने में पसीना छूट रहा है। जिससे एक बार फिर अतिक्रमणकारियों की नजर उक्त भूमि पर पड़ चुकी है। 6 वर्ष पूर्व कलेक्टर के आदेश पर कार्रवाई न होने से क्षेत्र के दबंग नगर परिषद के कई क्षेत्रों में निर्माण कार्य कर रहें है। बहरहाल जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते अवैध कब्जा रोक पाने में प्रशासनिक अफसर नाकाम साबित हो रही हैं।

क्या है मामला

प्रदेश सरकार सरकारी व गरीबों की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के लिए कई अभियान चला चुकी है। जिले के आला अफसरों को भू माफिया पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए भी दिए गए हैं। लेकिन नगर परिषद जयसिंहनगर क्षेत्र अंतर्गत विगत दिनों की गई अतिक्रमण पर कार्रवाई का असर महज दिखावा रह गया है। क्योंकि उक्त शासकीय भूमि पर फिर एक बार दबंगो के द्वारा कब्जा किया जा रहा है और भूमि पर किए जा रहे कब्जे को रोक पाने में राजस्व विभाग के अफसर अक्षम नजर आ रहे हैं।

राजस्व महा अभियान कि उड़ रही धज्जियां

एक ओर प्रदेश के मुखिया मोहन यादव ने राजस्व महा अभियान की शुरुआत कर सभी कमिश्नर कलेक्टर को निर्देशित किया है कि इस अभियान को लेकर बिल्कुल भी लापरवाही न बरती जाए। जिसका असर जिले में दिखा भी हैं कि कलेक्टर ने लापरवाही करने वाले पटवारी को निलंबित भी किया है। लेकिन जयसिंहनगर में पदस्थ राजस्व कर्मचारियों के द्वारा खुद की शासकीय भूमि को संरक्षित न कर पाना कई सवालों को जन्म देता है

तो वहीं मुख्यमंत्री के साख पर बट्टा लगाया जा रहा है। यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि राजस्व अमला अपनी भूमि नहीं बचा पा रहा है तो जयसिंहनगर में पदस्थ राजस्व अमला क्षेत्र के गरीबों एवं अन्य लोगों के राजस्व प्रकरणों का निराकरण करने में कितना रुचि रखता होगा।

कलेक्टर ने 6 वर्ष पूर्व दिया था आदेश

नगर परिषद जयसिंहनगर के क्षेत्र अंतर्गत स्थित पुराना पीडब्ल्यूडी कार्यालय जो कि राजस्व भूमि खसरा क्रमांक 646/1 में स्थित थी। तत्कालीन कलेक्टर के द्वारा 13 अप्रैल 2018 में आदेश जारी किया कि एमजीआर परिषद जयसिंहनगर के पत्र क्रमांक 239 दिनांक 25 जून 2015 के द्वारा ठेला व्यवसायियों विक्रेताओं के लिये शेड निर्माण हेतु ग्राम जयसिंहनगर की शासकीय आराजी खसरा नं. 646/1 रकबा 0.430 हे. भूमि आवंटन की मांग किये जाने पर एसडीएम जयसिंहनगर से राजस्व पुस्तक परिपत्र के प्रावधानों के तहत भूमि आवंटन प्रस्ताव प्राप्त किया गया। एसडीएम से प्राप्त प्रतिवेदन प्रकरण क्रमांक 11/अ-19 (3)/2016-17 दिनांक 02 जून 2017 अनुसार ग्राम जयसिंहनगर, तहसील जयसिंहनगर की रिक्त शासकीय भूमि आराजी खसरा क. 646/1 0.430 हे. मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद, जयसिंनहगर को ठेला व्यवसायियों विक्रेताओं के लिये शेड निर्माण हेतु आवंटित किये जाने हेतु प्रस्तावित की गयी है। प्रस्तावित्त आराजी राजस्व अभिलेख में बगार म.प्र. शासन नजूल दर्ज है। खसरे के कैफियत कालम नं. 12 में नगर पंचायत, 0.202 पी.डब्ल्यू.डी. 0.040 हे. दर्ज है। एसडीएम जयसिंहनगर द्वारा लेख किया गया है कि उक्त भूमि पूर्व में गेंगहट के लिये व्यवस्था बतौर लोक निर्माण विभाग को दी गयी थी। वर्तमान में लोक निर्माण विभाग के पास नया रेस्ट हाउस में पर्याप्त स्थान है। आवंटन के संबंध में सहायक यंत्री, लोक निर्माण विभाग को समय-सीमा में अभिमत हेतु पत्र जारी किया गया था, किन्तु उनसे अभिमत अप्राप्त होने से माना गया कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है। नजूल अधिकारी, शहडोल व्दारा अपने प्रतिवेदन दिनांक 27 सितंबर 2017 में एसडीएम जयसिंहनगर के प्रस्ताव अनुसार नगर परिषद, जयसिंहनगर के पक्ष में आवंटन किये जाने की अनुशंसा की गयी है। तहसीलदार, जयसिंहनगर द्वारा जारी उद्घोषणा दिनांक 12 जुलाई 2015 में किसी प्रकार की आपत्ति प्राप्त नहीं हुई है। नगर परिषद, जयसिंहनगर द्वारा परिषद की बैठक दिनांक 27.नवम्बर 2014 में नगर परिषद कार्यालय भवन हेतु भूमि के आवंटन हेतु प्रस्ताव पारित किया गया है। एसडीएम जयसिंहनगर और नजूल अधिकारी से प्राप्त प्रस्ताव के आधार पर ग्राम जयसिंहनगर, तहसील जयसिंहनगर की शासकीय भूमि आराजी खसरा क. 646/1 अंश रकबा 0.430 है। जो कि ठेला व्यवसायियों विक्रेताओं के लिये शेड निर्माण हेतु इस शर्त पर आरक्षित की जाती है कि भूमि जिस प्रयोजन के लिये दी गयी उस प्रयोजन के उपयोन न होने एवं अन्य उपयोग होने पर भूमि वापस ली जा सकेगी। यदि भूमि के उपयोग के अतिरिक्त भूमि रिक्त रही तथा उसका अन्य किसी सार्वजनिक कार्य के लिये उपयोग की आवश्यकता हुई तो जनहित में ऐसी खुली भूमि वापस ली जा सकेगी। साथ ही शासन व्दारा भूमि आवंटन के समय निर्धारित प्रीमियम एवं भू-भाटक नगर परिषद, जयसिंहनगर व्दारा देय होगा।

प्रशासनिक प्रतिक्रिया...

मेरे द्वारा कई बार उक्त भूमि हेतु कमिश्नर, कलेक्टर एवं एसडीएम को पत्राचार किया गया है लेकिन कार्रवाई न होने से विकास पर बाधा उत्पन्न हो रहीं है, जिससे नगरवासियों को भी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।- **श्रीमती सुशीला चक्रधारी शुक्ला,अध्यक्ष जयसिंहनगर**

मेरी तबियत खराब है आप तहसीलदार से बात कर लीजिए। **प्रगति वर्मा, एसडीएम जयसिंहनगर**

मैडम से कई बार संपर्क साधने की कोशिश की गई लेकिन फ़ोन की घंटी घनघनाती रही मैडम ने फ़ोन उठाना उचित नही समझा। **सुषमा धुर्वे, तहसीलदार जयसिंहनगर**

आप मुझे आदेश की कॉपी भेज दीजिये, अगर शासकीय भूमि पर कब्जा है तो हटा कर निश्चित रूप से संरक्षित की जाएगी। **तरुण भटनागर, कलेक्टर**

बांग्लादेश घटनाक्रम एवं हिन्दू अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए ज्ञापन सौंपा

12 बजे तक बंद रहे व्यापारिक प्रतिष्ठान

शम्भूपुरा। संत व सनातन धर्म समाज के द्वारा संतो-महात्माओं के सान्निध्य में हाल ही में बांग्लादेश में हुई हिंसा व अराजकता से वहाँ रह रहे हिन्दू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाये जाने एवं उनकी सुरक्षा किए जाने के लिए महामहिम राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन की प्रति प्रधानमंत्री, गृहमंत्री, रक्षा मंत्री भारत सरकार को भी प्रेषित की गई है। प्रात: 9 बजे अयोध्या नगरी शहीद चौक भीलवाड़ा में संत समुदाय व सर्व समाज संगठन के सदस्य पदाधिकारी नागरिक एकत्रित हुए। जहाँ से रैली के रूप में धान मण्डी, बड़ा मन्दिर, सर्राफा बाजार, मुख्य बाजार, गोल प्याऊ, स्टेशन चौराहा होते हुए मुखर्जी उद्यान पहुंचे। सम्पूर्ण मार्ग में जनसमूह भगवा पताकाऐ लहरा कर नारे एवं उद्घघोष लगाते हुए चल रहे थे। सर्वजन द्वारा निम्न स्तर एवं ओछे घटनाक्रम की घोर भर्त्सना की गई तथा उससे उत्पन्न परिस्थितियों पर चिन्ता व्यक्त करते हुए आक्रोश प्रकट किया। रैली में महामण्डलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन, महंत बाबूगिरी महंत बनवारीशरण काठिया बाबा, संत पंच मुरारी, महंत रामदास रामायणी, संत परमेश्वरदास, संत बालकदास आदि संतो महापुरूषो का सानिध्य प्राप्त हुआ। इस अवसर पर भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी, विहिप के ओमप्रकाश बूलिया, गणेश प्रजापत, शिव कुमावत, ओम प्रकाश लड्ढा, बजरंग दल से अखिलेश व्यास, सनातन सेवा समिति से अशोक मूंदड़ा, महेश नवहाल, मुरलीधर कोली, हिन्दू जागरण मंच से सुभाष बाहेती, मनोज सोनी, भारतीय सिन्धु सभा से परमानंद गुरनानी, वीरुमल पुरसानी, दुर्गा शक्ति अखाड़ा से कविता छीपा, दुर्गा वाहिनी से सोनम ओझा, शिवानी भरावा, खुशबू शुक्ला, राजस्थान प्रांतीय तैलिक साहू महासभा कैलाश आसर्वा, लघु उद्योग भारती पल्लवी जोशी, राजस्थान ब्राह्मण महासभा नरेश ओझा, अंतरराष्ट्रीय विश्व हिंदू परिषद चंद्रसिंह जैन, सांसद प्रवक्ता विनोद झुरानी, बड़लेश्वर महादेव मंदिर कोली समाज से मुरलीधर कोली, रामदेव मंदिर कोली मोहल्ला से ओम प्रकाश, श्री विट्ठल नामदेव मंदिर संजय कॉलोनी, विप्र फाउंडेशन, ब्रह्म सेवा संस्थान, छः न्यात ब्राह्मण

भरण पोषण एवं भारतीय नागरिकता दिए जाने की भी मांग की। भीलवाड़ा विधायक अशोक कोठारी ने भीलवाड़ा के संत समाज को इस गंभीर समस्या पर सर्व समाज, संगठनों, संस्थाओं को जागृत करने के लिए आभार व्यक्त किया तथा भीलवाड़ा की जनता का विरोध रैली में सहभागिता दर्ज करने के लिए भी धन्यवाद ज्ञापित किया। अन्य संतो व प्रबुद्धजनो ने भी विरोध प्रकट किया। सर्व समाज ने दोपहर 12 बजे तक व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रख कर अपना विरोध व्यक्त किया। ज्ञातव्य हो कि हाल ही में बांग्लादेश में उत्पन्न अनिश्चितता, हिंसा एवं अराजकता से वहाँ के अल्पसंख्यक हिन्दू समाज पर घोर अत्याचार हो रहे हैं। हिन्दूओं के धार्मिक स्थलों, घरों, मकानों, ऑफिस, व्यापारिक संस्थानों, मॉल विविध स्थलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। महिलाओं व बालिकाओं के साथ बलात्कार व अमानवीय व्यवहार किया जा रहा है। सैकड़ों हिन्दू अल्पसंख्यकों की हत्या की गई है।

भगवान नेमिनाथ का जन्म कल्याणक बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया

देवास भगवान नेमिनाथ जन्म कल्याणक महोत्सव नाग पंचमी के पावन पर्व पर स्नात्र पूजन के माध्यम से बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ जैन मंदिर बागली में सभी समाज जन की उपस्थिति में महिला मंडल के द्वारा नेमीनाथ भगवान का श्लोका का वाचन कर

मनाया गया ।। स्नात्र पूजा व प्रभावना का लाभ रूपचंद जी सचिन कुमार जी नांदेचा परिवार ने प्राप्त किया।

बदनावर में धूमधाम से मनाया विश्व आदिवासी दिवस

पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए युवा, नगर में जगह-जगह स्वागत

बदनावर । बदनावर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में शुक्रवार को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया गया। आदिवासी समाज व जयस की ओर विशाल चल समारोह निकाला गया। जिसमें बड़ी संख्या में समाज जनों ने शामिल होकर जय जोहार के नारे लगाए। चल समारोह दोपहर के करीब 2 बजे इंद्रप्रस्थ कालोनी से शुरू हुआ। **6 डीजे के साथ जमकर थिरके युवा** चल समारोह 6 डीजे के साथ शुरू हुआ। जिसमें समाजजन परंपरागत वेशभूषा पहनकर व हाथों में तीर कमान लेकर शामिल हुए। ग्रामीण अंचल से आए युवा जोश व जुनून के साथ गले मे पीला गमछा ओर झंडा लेकर चल रहे थे। चल समारोह में प्रसिद्ध आदिवासी लोक गायक व डांसर ईईश्वर मोरी व जया मुनिया ने उनकी टीम की ओर से आकर्षक प्रस्तुतियां दी गई। आदिवासी गानों पर समाज के युवा जमकर थिरकते हुए चल रहे थे। इस दौरान चल समारोह का नगर में विभिन्न स्थानों पर जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ कृषि उपज मंडी प्रांगण पहुंचा। जहां पर सभा के पश्चात समापन हुआ।

सम्पत्ति संबंधी अपराधो की रोकथाम हेतु अभियान के तहत मंदसौर पुलिस थाना दलौदा द्वारा दो अलग- अलग प्रकरणो मे कुल 02 आरोपी व एक विधिविरुद्ध बालक को पकडा गया

थाना दलौदा के एक सम्पत्ति संबंधी प्रकरण मे दो भैसे कुल 150000/- रुपये की व एक प्रकरण मे 256000 की रेल्वे की 1026 मीटर केबल व 10 लीटर जहरीली शराब जप्त की गई।

सम्पत्ति संबंधी दोनो अपराधो मे प्रयुक्त वाहनो को जप्त किया गया।

घटना का संक्षिप्त विवरण कार्यवाही विवरण:- जिला मंदसौर मे संपत्ति संबंधी अपराधो की रोकथाम एवं आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु श्री अनुराग सुजानिया पुलिस अधीक्षक मंदसौर द्वारा दिये गये निर्देशो के तारतम्य में श्री गौतम सोलंकी अति. पुलिस अधीक्षक मंदसौर एवं सुश्री कीर्ति बघेल एसडीओपी मंदसौर के मार्गदर्शन में पुलिस थाना दलौदा द्वारा थाना क्षैत्रांतर्गत घटित 02 सम्पत्ति संबंधी घटना का खुलासा करते हुए, 03 आरोपियो को पकड कर उनके कब्जे से चोरी गया मश्रुका व 10 लीटर जहरीली शराब जप्त करने में सफलता प्राप्त की है।

प्रथम घटना का संक्षिप्त विवरण- दिनाकं 06.08.2024 फरियादी ने रिपोर्ट किया की मैं उक्त पते पर रहता हुँ तथा खेती का काम करता हुँ । मैने दो भैसे पाल रखी है । जो दिनांक 06.08.24 के शाम 06.00 बजे करीबन मैने मेरे खेत पर बने बाडे में रोज की तरह बांध कर बाडे का दरवाजा लगाकर मैं घर पर आ गया था । आज सुबह 05.30 बजे करीबन मैं रोज की तरह भैस का दुध निकालने के लिये बाडे में गया तो मेरे बाडे का दरवाजा खुला हुआ था और बाडे में बंधी मेरी दोनो भैसे नही दिखी फिर मैने मेरी दोनो भैसो को आस पडोस में तलाश की लेकिन कोई पता नही चला । जो कल रात्री में मेरे बाडे के दरवाजा खोलकर मेरे बाडे में बंधी दोनो भैसो को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है । उक्त रिपोर्ट पर थाना दलौदा पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 377/24 धारा 331(4),305 भादवि का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया । अनुसंधान के दौरान माल ड्रमुल्जिम की पतारसी हेतु टीम गठन किया गया । टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी लखन पिता रमेश नाथ उम्र 26 साल निवासी रतागिरी थाना बिलपांक जिला रतलाम म.प्र व धर्मेंद्र पिता शांतीलाल भील उम्र 28 साल निवासी ग्राम जेतपाडा थाना बिलपाक जिला रतलाम से पुछताछ करते बताया की अपने दोस्त जुल्लु पता कल्लु निवासी एलची के साथ मिलकर भैसे चुराना स्वीकार करने पर आरोपिगणो को विधिवत गिरफ्तार किया जाकर आरोपी कि निशादेही से चोरी की गई दो भैसे किमती 150000 रुपये की जप्त की गई। व फरार आरोपी जुल्लु पिता कल्लु निवासी एलची की तलाश जारी है।

द्वितीय घटना का संक्षिप्त विवरण-दिनाकं 08.08.24 को फरियादी ने रिपोर्ट किया कि मैं रेल्वे कटेक्टर का काम करता हुँ । मेरे द्वारा रतलाम से दलोदा नये रेल्वे लाईन का ठेका(कटेक्टर) अन्निया इंजीनिरिंग प्रायवेट लिमि. के नाम से ले रखा है । जिसमें काम चालु होने वाला था इसलिये मेरे द्वारा 12 कोर केबल जो कि ड्रम नंबर 7274 कि जो 1026 मीटर की केबल रेल्वे प्लेटफार्म कचनारा से थोडी दुर खेत में रखी हुई थी । जो आज से चार दिन पहले वही पर रखी हुई देखी थी । जो आज दिनांक 08.08.24 को मैं व मेरा साथी अमनसिंह दोनो रेल्वे स्टेशन कचनारा गये जहा पर रेल्वे प्लेटफार्म कचनारा के पास खेत में रखी रेल्वे की केबल नही मिली । फिर मैने व मेरे साथी अमनसिंह द्वारा रेल्वे प्लेटफार्म के आसपास के लोगो से पुछताछ करते जानकारी नही होना बताया । जो कोई अज्ञात व्यक्ति रेल्वे प्लेटफार्म कचनारा के पास खेत में रखी 12 कोर केबल ड्रम नंबर 7274 जो लगभग कुल 1026 मीटर किमती लगभग 256000/ रुपये की कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है । उक्त रिपोर्ट पर थाना दलौदा पर अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 378/24 धारा 303(2) बीएनएस का पंजीबद्ध किया जाकर विवेचना मे लिया गया । अनुसंधान के दौरान माल ड्रमुल्जिम की पतारसी हेतु टीम गठन किया गया । टीम द्वारा मुखबिर सूचना पर कार्यवाही करते हुए महु नीमच हाईवे रोड आक्या ब्रिज के यहा एक टेम्पो को चेक करते टेम्पो मे 10 लीटर जहरीली हाथ भट्टी कच्ची शराब व केबल मिली जिसके संबंध मे विधिविरुद्ध बालक से पुछताछ करते विधिविरुद्ध बालक ने अपने दोस्त रिजवान , गोलु उर्फ अंग्रेज व शहनवाज के साथ मिलकर रेल्वे की केबल चुराना व जहरीली शराब लेकर जाना स्वीकार करने पर विधिविरुद्ध बालक को विधिवत गिरफ्तार किया जाकर चोरी गया मश्रुका रेल्वे की केबल 1026 मीटर किमती 256000 /- रुपये व 10 लीटर जहरीली शराब की जप्त की गई। व अन्य आरोपीगण फरार होना पाये गये जिनकी तलाश जारी है।

गिरफ्तार आरोपी अप.क्र. 377/24 (1)लखन पिता रमेश नाथ उम्र 26 साल निवासी रतागिरी थाना बिलपांक जिला रतलाम म.प्र ।(2) धर्मेंद्र पिता शांतीलाल भील उम्र 28 साल निवासी ग्राम जेतपाडा थाना बिलपाक जिला रतलाम ।फरार आरोपी जुल्लु पिता कल्लु निवासी एलची थाना दलौदा जिला मंदसौर अप.क्र. 378/24 (1) विधि विरुद्ध बालक पिता भय्यु उर्फ अकरम निवासी डोसी बिल्डींग के पास अभिनंदन नगर मंदसौर

फरार आरोपी -- 1. रिजवान निवासी नाहर सय्यद के पास मंदसौर 2. गोलु उर्फ अंग्रेज निवासी जैन कालेज के पीछे मंदसौर 3.शहनावज निवासी जैन कालज के पीछे मंदसौर

जप्त शुदा मश्रुका- (1) दो भैंसे किमती 150000/-रुपये (2) 12 कोर रेल्वे की केबल 1026 मीटर किमती 256000/- रुपये (3) अपराध क्रमांक 377/24 मे प्रयुक्त वाहन क्रमांक एमपी 44 जीए 0741 किमती 500000/- रुपये (4) अपराध क्रमांक 378/24 मे प्रयुक्त एक बिना नंबर टेम्पो किमती 150000/- रुपये (5) 10 लीटर जहरीली शराब किमती 1000/- रुपये सराहनिय कार्य: थाना प्रभारी दलौदा उनि बी. के .एस. चौधरी, सउनि प्रमोद सिहं तोमर , सउनि अजय चौहान, सउनि ईश्वरलाल राठौर, प्रआर 179 नवनीत उपाधयाय, प्रआर 67 उमंग शर्मा, प्रआर 295 राकेश शर्मा, प्रआर 141 राजपाल सिंह , आर 484 युवराज सिंह (विशेष योगदान) , आर 920 सुनिल कुमावत , आर चालक 74 मुकेश नैन का सराहनीय योगदान रहा।

काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर तहसील फरीदपुर मे भव्य कार्यक्रम आयोजित

बरेली। तहसील फरीदपुर परिसर में आज दिनांक 09/08/2024 को काकोरी ट्रेन एक्शन की 100 वीं वर्षगाँठ के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया ।कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी अजय उपाध्याय जी ने मुख्य अतिथि के रूप में विधायक श्याम विहारी लाल एवं सदस्य विधान परिषद कुँवर महाराज सिंह जी को अंग बस्त्र पहनाकर एवं बुके तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया । तहसील फरीदपुर क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी परिवारों को तथा देश की रक्षा में शहीद हुए सैनिकों के परिजनों को विधायक श्याम विहारी लाल एवं सदस्य विधान परिषद कुँवर महाराज सिंह ने अंग बस्त्र एवं माला पहनाकर सम्मानित कर उन्हें स्मृति चिन्ह प्रदान किया। उपजिलाधिकारी अजय उपाध्याय के द्वारा शासन द्वारा कार्यक्रम हेतु भेजा गया उद्बोधन पढ़कर सुनाया गया ।कार्यक्रम में किशोर चन्द्र कन्या इंटर कॉलेज ,श्याम सुंदर कन्या इंटर कॉलेज ,सी ए इस इंटर कॉलेज आदि के बच्चों ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये ।प्रस्तुति के बाद बच्चों को पुरस्कार एवं शिक्षकों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया ।कार्यक्रम में उपजिलाधिकारी न्यायिक देशदीपक सिंह ,तहसीलदार रजनीश सक्सेना ,नायब तहसीलदार अभिषेक तिवारी,खण्ड विकास अधिकारी फरीदपुर एवं भुता ,वन क्षेत्राधिकारी फरीदपुर,वार एशोसिएशन के पदाधिकारी,पत्रकार बन्धु एवं विभिन्न संघठनो के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अनुज शर्मा ने किया।

मड़ियादो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पँहुचे कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर

स्वास्थ्य सेवाओं का लिया जायजा, मरीजों से मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं की ली जानकारी

दमोह

दमोह-अपने भ्रमण के दौरान कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर शाम लगभग 04 बजे मड़ियादो प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पँहुचे। यहां उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लिया, अस्पताल में भृमण कर वार्डो में साफ सफाई, मरीजो को मिलने वाली स्वास्थ्य सेवाओं, ओपीडी आदि का अवलोकन किया। इस दौरान कलेक्टर श्री कोचर ने अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा की। साथ ही मिल रही स्वास्थ्य सेवाओं सबंधी जानकारी ली।यंहा कर्मचारियों और ग्रामीणों ने बाउंड्रीबाल निर्माण की मांग रखी। साथ ही पानी की टँकी

रिसाव से कीचड़ फैलने की समस्या भी बताई जिसपर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जनपद पंचायत हटा सीईओ को निर्देश दिए। इस दौरान एसडीएम हटा राकेश मरकाम, बीएमओ डॉ उमाशंकर पटेल, नायब तहसीलदार शिवराम चढ़ार सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारीगण मौजूद रहे।

ऐतिहासिक क्रांति दिवस 9 अगस्त की 82 वीं वर्षगांठ पर फहराएं अपने घर खादी का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा

करो या मरो के संकल्प के साथ 8 अगस्त 1942 की रात्रि को महात्मा गांधी ने किया था अंग्रेजों भारत छोड़ो का आह्वान

रीवा । समता संपर्क अभियान , नारी चेतना मंच , समाजवादी कार्यकर्ता समूह एवं विंध्यांचल जन आंदोलन के संयुक्त तत्वावधान में आगामी 9 अगस्त से लेकर स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त तक स्वतंत्रता सप्ताह के रूप में हर घर खादी का राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फ़हराने की जन जन के अपील की गई है। समता संपर्क अभियान के राष्ट्रीय संयोजक लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने यहां बताया कि भारत की आजादी का राष्ट्रव्यापी अंतिम निर्णायक आंदोलन की शुरुआत मुंबई में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के द्वारा करो या मरो के संकल्प के साथ अंग्रेजों भारत छोड़ो आंदोलन के आह्वान पर 9 अगस्त 1942 को मुंबई के गोवालीया मैदान में युवा सत्याग्रही अरुणा आसफ अली ने तिरंगा ध्वजारोहण कर के आंदोलन को गति प्रदान की थी । 8 अगस्त 1942 की रात्रि को महात्मा गांधी के साथ प्रथम पंक्ति के बड़े नेताओं की गिरफ्तार कर लिया गया था और इसके बाद आजादी के आंदोलन की जिम्मेदारी युवा क्रांतिकारी वर्ग पर आ गई थी । देश की स्वतंत्रता की लड़ाई नागरिक आजादी , समता ,समृद्धि , स्वाबलंबन , न्याय , स्वदेशी आदि मूल्यों के साथ लड़ी गई थी। यह भारी विडंबना है कि आजादी के 77 सालों में भी लोगों को गैर बराबरी नाइंसाफी और बुनियादी जरूरतों के संकट का सामना करना पड़ रहा है । लोकतंत्र सेनानी श्री खरे ने कहा कि गति 2 वर्ष पहले मनाए गए देश की आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष को सरकारी खानापूर्ति बना दिया गया। आजादी के आंदोलन के मूल्यों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के त्याग बलिदान से देश के जन-जन को वाकिफ होना जरूरी है। देखने को मिलता है कि स्थानीय स्थल पर स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को कोई याद नहीं करता। उनके वंशजों के बारे में प्रशासन के पास कोई लेखा जोखा नहीं है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के बारे में जिला कलेक्टर के यहां से जानकारी मांगने पर आनाकानी की जाती है। स्वतंत्रता सेनानी परिवारों के साथ प्रशासन का रवैया बेहद आपत्तिजनक है। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के जन्मदिन और पुण्यतिथि पर उन्हें कभी याद नहीं किया जाता। उनकी स्मृति में कभी दो फूल भी नहीं चढ़ाए जाते। 30 जनवरी को शहीद दिवस की स्मृति में भी 2 मिनट का मौन रखना भी मुश्किल होता है। घर-घर राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराने का उद्देश्य देश की आजादी के आंदोलन से निकले मूल्यों और संविधान की रक्षा करने का संकल्प है। स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्यों को नजरअंदाज किए जाने से देश में आज भी गैर बराबरी , विषमता , भ्रष्टाचार , महंगाई , धार्मिक सामाजिक नफरत का बोलबाला है । आज यदि इन सब बातों को लेकर कहीं कोई सुनवाई नहीं तो आजादी की लड़ाई व्यर्थ हो जाएगी। श्री खरे ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी खादी को महज़ वस्त्र नहीं एक विचार कहते थे जिसके चलते आजादी के आंदोलन के दौरान देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास शुरू हो गए थे। अंग्रेजों को खादी पहनने वाला हर व्यक्ति बागी नजर आता था। देश की आजादी के आंदोलन में खादी की अहम भूमिका रही है। आजाद भारत में खादी की अनदेखी अत्यंत आपत्तिजनक दुर्भाग्यपूर्ण बात है। ताम्रपत्रधारी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्वर्गीय श्री ओंकार नाथ खरे के ज्येष्ठ पुत्र लोकतंत्र सेनानी अजय खरे ने कहा कि 9 अगस्त की सुबह 8:00 बजे लोग अपने-अपने घरों में राष्ट्रीय झंडारोहण करें । शाम को 3 बजे स्थानीय पूनम जनवासा नेहरू नगर रीवा में राष्ट्रीय आंदोलन की 82 वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक विचार संगोष्ठी रखी गई है जिसमें देश के आजादी के आंदोलन के संदर्भ में अमर शहीदों एवं स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की पावन स्मृतियों को याद करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी जाएगी। इसके साथ ही स्वतंत्रता सप्ताह पर आजादी के आंदोलन से संबंधित विभिन्न कार्यक्रम रखते हुए 15 अगस्त को 78 वां स्वतंत्रता दिवस मनाया जाएगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कैंपस में धार्मिक गतिविधि न हो, लेकिन लड़कियों पर पसंद न थोपें

मुंबई के कॉलेज में बुर्का-हिजाब बैन के फैसले पर रोक

नई दिल्ली। मुंबई के कॉलेज में बुर्का-हिजाब बैन के फैसले पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक लगा दी है। मुंबई के दो कॉलेज ने कैंपस में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल और टोपी पहनने पर बैन लगाया था। सुप्रीम कोर्ट इसके खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई कर रहा था। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि स्टूडेंट्स को क्लास के अंदर बुर्का पहनने की और कैंपस में धार्मिक गतिविधि की इजाजत नहीं दी जा सकती। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि स्टूडेंट्स को क्या पहनना या क्या नहीं पहनना है, यह वही तय करेंगे। एजुकेशनल इंस्टीट्यूट स्टूडेंट्स पर अपनी पसंद नहीं थोप सकते। मुंबई के एन. जी. आचार्य और डी. के. मराठे कॉलेज ने कैंपस में हिजाब, नकाब, बुर्का, स्टोल और टोपी पहनने पर बैन लगाया था। इसके खिलाफ 9 लड़कियां बॉम्बे हाईकोर्ट पहुंची थीं। हाईकोर्ट से याचिका खारिज होने पर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम आदेश में कॉलेज सर्कुलर लागू करने पर 18 नवंबर तक रोक लगा दी। सुप्रीम कोर्ट ने कॉलेज से कहा- ये दुर्भाग्यपूर्ण है कि आपको अचानक पता चलता है कि देश में कई धर्म हैं। अगर कॉलेज का इरादा स्टूडेंट्स की धार्मिक आस्था को उजागर न करने का था तो उसने तिलक और बिंदी पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगाया? क्या स्टूडेंटस के नाम से उनकी धार्मिक पहचान उजागर नहीं होती?

सुप्रीम कोर्ट की नसीहत- अंतरिम आदेश का दुरुपयोग न हो

सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की डबल बेंच ने इस केस की सुनवाई की। बेंच ने कहा कि कोर्ट के अंतरिम आदेश का दुरुपयोग नहीं किया जाना चाहिए। अगर ऐसा होता तो शैक्षणिक सोसाइटी और कॉलेज अदालत का रुख कर सकते हैं।

बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा था- छात्रों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन नहीं

छात्रों की तरफ से दायर याचिका में कहा गया था कि यह नियम उनके धर्म का पालन करने के मौलिक अधिकार, निजता और पसंद के अधिकार का उल्लंघन करता है। इस पर 26 जून को बॉम्बे हाईकोर्ट ने कहा कि सभी छात्रों पर ड्रेस कोड लागू है, चाहे वह किसी जाति या धर्म का क्यों न हो। हाईकोर्ट ने आगे कहा कि ड्रेस कोड को अनुशासन बनाए रखने के लागू किया गया है। यह संविधान के तहत शैक्षणिक संस्थान की स्थापना और प्रशासन के मौलिक अधिकार के अनुरूप है। इसी बयान के साथ कोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया था।

प्रिंसिपल बोले- छात्रों को एडमिशन के समय ही बताया गया था

नोटिस पर कॉलेज के प्रिंसिपल विद्यागौरी लेले के साइन हैं। उनका कहना है कि वे चाहते हैं कि छात्र ठीक-ठाक कपड़े पहनें। उन्होंने कहा कि कॉलेज कोई ड्रेस कोर्ड नहीं लाया, बल्कि स्टूडेंट्स से फॉर्मल कपड़े पहनने को कहा गया है, क्योंकि नौकरी मिलने के बाद भी उन्हें ऐसा ही करना होगा। लेले ने आगे कहा कि छात्रों को एडमिशन के समय ही ड्रेस कोड के बारे में बता दिया गया था। साल के 365 दिनों में से छात्रों को मुश्किल से 120-130 दिन ही कॉलेज में रहना पड़ता है। इन दिनों ड्रेस कोड का पालन करने में उन्हें क्या परेशानी होनी चाहिए? छात्रों द्वारा कैंपस में अभद्र व्यवहार के कई मामलों के कारण ही प्रशासन को नया ड्रेस कोड लाना पड़ा।

कर्नाटक में 3 साल पहले कैंपस में हिजाब पर विवाद हुआ था

कर्नाटक के उडुपी जिले के एक कॉलेज में 31 दिसंबर 2021 को 6 मुस्लिम छात्राओं को हिजाब पहनने से रोक दिया गया था, जिसके बाद वे धरने पर बैठ गईं। यह विवाद राज्य के बाकी हिस्सों में भी फैल गया। इसके बाद हिंदू संगठनों से जुड़े छात्रों ने बदले में भगवा शॉल पहनकर कॉलेज आना शुरू कर दिया।

हिंसा हुई तो फरवरी 2022 में राज्य सरकार ने स्कूल-कॉलेजों में सभी तरह के धार्मिक पहचान वाले कपड़े पहनने पर रोक लगा दी।

आदेश में कहा गया था कि कोई भी कपड़ा जो समानता, अखंडता और सार्वजनिक कानून व्यवस्था के खिलाफ जाएगा, उसे पहनने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इस आदेश को लेकर जमकर बवाल हुआ था।

कुछ लोगों ने कर्नाटक सरकार के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती दी। 15 मार्च 2022 को कर्नाटक हाईकोर्ट ने कॉलेज यूनिफॉर्म को जरूरी बताया।

देना होगा संपत्ति का ब्योरा, सरकार ने सभी डीएम को दिए निर्देश

बिहार में मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण अनिवार्य

पटना। बिहार सरकार ने राज्य के सभी जिलों के जिलाधिकारियों (डीएम) को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि उनके जिलों में संचालित अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का पंजीकरण कराया जाए और उनकी अचल संपत्तियों का विवरण राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को उपलब्ध कराया जाए।

राज्य के सभी जिला प्रशासन को यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि सभी पंजीकृत मंदिरों/मठों से संबंधित अचल संपत्तियों का विवरण तुरंत बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड (बीएसबीआरटी) को उपलब्ध कराया जाए, ताकि इसे उसकी वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। बीएसबीआरटी बिहार सरकार के विधि विभाग के अंतर्गत आता है। बिहार के कानून मंत्री नितिन नवीन ने गुरुवार को कहा, सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सुनिश्चित करें कि सभी अपंजीकृत मंदिरों, मठों और ट्रस्ट का प्राथमिकता के आधार पर पंजीकरण किया जाए।

बीएसबीआरटी को देना होगा संपत्ति का ब्योरा

उन्होंने कहा कि मैंने हाल ही में इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को पत्र लिखा है।

अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को आंकड़ा उपलब्ध कराया है। सभी जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राज्य में पंजीकृत मंदिरों और मठों की भूमि सहित अचल संपत्तियों की बिक्री/खरीद न हो।

अवैध कामों में लिप्त लोगों पर सख्त कार्रवाई

राज्य सरकार पंजीकृत मंदिरों/मठों/ट्रस्ट की संपत्तियों की बिक्री व खरीद के अवैध कामों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। बीएसबीआरटी द्वारा संकलित (35 जिलों से प्राप्त) नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में करीब 2,512 अपंजीकृत मंदिर या मठ हैं और उनके पास 4321.64 एकड़ भूमि है। विधि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में पंजीकृत मंदिरों की कुल संख्या करीब 2,499 है और उनके पास 18,456 एकड़ से अधिक भूमि है। आंकड़ों के अनुसार, सबसे ज्यादा अपंजीकृत मंदिर/मठ वैशाली (438), कैमूर (307), पश्चिमी चंपारण (273), भागलपुर (191), बेगूसराय (185), सारण (154), गया (152) आदि में हैं। कैमूर में 307 अपंजीकृत मंदिरों/मठों के पास करीब 813 एकड़ जमीन है और खगड़िया जिले में 100 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास 722 एकड़ जमीन है। बांका जिले में करीब 332 एकड़ जमीन 78 अपंजीकृत मंदिरों और मठों के पास है।

दोनों राज्यों के प्रतिनिधिमंडल के बीच कई मुद्दों पर हुई चर्चा

सीमा विवाद दूर करने के लिए मिजोरम-असम करेंगे पहल

आइजोल। मिजोरम असम के बीच लंबे समय से चल रहे आ रहे सीमा विवाद को लेकर दोनों राज्यों के मंत्रियों ने वार्ता की। इस दौरान विवाद को दूर करने के मिलकर काम करने पर सहमति बनी। दोनों राज्यों के प्रतिनिधिमंडल के बीच आइजोल में हुई बैठक में तमाम मुद्दों पर चर्चा की गई।

पूर्वोत्तर राज्य मिजोरम और असम के बीच सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पिछली बैठक नवंबर 2022 में गुवाहाटी में हुई थी। शुक्रवार को हुई बैठक में असम के प्रतिनिधिमंडल में सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा और मिजोरम से गृहमंत्री के सपदांगा ने भाग लिया। अगस्त 2021 में के बाद दोनों राज्यों के बीच चौथी बार और जोरम पीपुल्स मूवमेंट के दिसंबर में सत्ता में आने के बाद यह पहली वार्ता हुई थी।

मिजोरम और असम के बीच काफी समय से सीमा विवाद चला आ रहा है। मिजोरम के तीन जिले आइजोल, कोलासिब और ममित, असम के कछार, कर्मगंज और हैलनकांडी जिलों के साथ 164.6 किमी लंबी सीमा साझा करते हैं। दोनों राज्य 1875 और 1933 के सीमांकन के आधार पर सीमा को लेकर अपनी-अपनी बात कहते हैं। मिजोरम की ओर से दावा किया जाता है कि 1875 में अधिसूचित बंगाल पूर्वी फ्रंटियर रेगुलेशन 1873 के तहत साल 1875 में तय की गई इनर लाइन के तहत आरक्षित वन का 509 वर्ग मील का क्षेत्र उनके हिस्से में आता है।

वहीं असम का कहना है कि 1933 में हुए सर्वे के आधार पर बने मानचित्र में वन क्षेत्र को असम के हिस्से में दिखाया गया है। हालांकि दोनों राज्यों के बीच कोई जमीनी सीमांकन नहीं है। दोनों राज्यों के बीच सीमा विवाद एक पुराना और पेचीदा मुद्दा है जो दशकों तक अनसुलझा रहा। सीमा विवाद 26 जुलाई, 2021 को बढ़ गया जब दोनों राज्यों के पुलिस बलों में टकराव हुआ, जिससे असम के छह पुलिसकर्मियों और एक नागरिक की मौत हो गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया था फैसला, हाईकोर्ट ने दी थी अनुमति

शाही ईदगाह मस्जिद परिसर में सर्वेक्षण पर नवंबर तक बढ़ी रोक

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने शुक्रवार को इलाहाबाद उच्च न्यायालय के एक आदेश के क्रियान्वयन पर रोक नवंबर तक बढ़ा दी। उच्च न्यायालय ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि मंदिर से सटे शादी ईदगाह मस्जिद परिसर की अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति दी थी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने उच्च न्यायालय के 14 दिसंबर, 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर 16 जनवरी को लगाई गई रोक को जारी रखने का आदेश दिया। हिंदू पक्ष का दावा है कि मस्जिद परिसर में ऐसे संकेत हैं, जो बताते हैं कि कभी उस स्थान पर एक मंदिर था। सुनवाई के दौरान हिंदू पक्षकारों की ओर से वकील विष्णु शंकर जैन पेश हुए। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के पिछले साल 14 दिसंबर के आदेश के खिलाफ शादी ईदगाह प्रबंधन ट्रस्ट की समिति की अपील और संबंधित आदेश निरर्थक हो गए हैं। उन्होंने कहा, ये सभी याचिकाएं निरर्थक हो गई हैं, क्योंकि उच्च न्यायालय ने एक अगस्त को अपना आदेश दिया है। जैन ने उच्च न्यायालय के एक अगस्त के आदेश का जिक्र किया, जिसके तहत उसने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से जुड़े 18 मामलों की विचारणीयता को चुनौती देने वाली मुस्लिम पक्षकारों की याचिका खारिज की और फैसला सुनाया कि मस्जिद का धार्मिक चरित्र तय करने की जरूरत है।

लोकसभा में मंत्री अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी और विपक्ष पर बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार पर चुप्पी साधने को बताया दुर्भाग्यपूर्ण

बांग्लादेश में हिंदुओं की बदहाली पर चुप्पी क्यों?

नई दिल्ली। लोकसभा में भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने विपक्षी दलों और विशेष रूप से कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को आड़े हाथों लिया। अनुराग ठाकुर ने बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की स्थिति पर विपक्ष की चुप्पी को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कई सवाल खड़े किए। लोकसभा के शून्यकाल के दौरान ठाकुर ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी अक्सर मानवाधिकारों और सामाजिक न्याय के मुद्दों पर आवाज उठाते हैं उन्होंने अब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को लेकर कोई भी टिप्पणी क्यों नहीं की?

अनुराग ठाकुर ने कहा, जब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कार्यभार संभाला, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें बधाई दी, लेकिन साथ ही उन्होंने उनसे अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भी कहा। ठाकुर ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि नेता प्रतिपक्ष ने अंतरिम सरकार (बांग्लादेश की) को बधाई दी, लेकिन हिंदुओं और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का जिक्र नहीं किया। उन्होंने कहा, आखिर क्या मजबूरी थी? आपने गाजा के बारे में बात की, लेकिन बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के बारे में नहीं। बता दें नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस ने बृहस्पतिवार को शेख हसीना की जगह बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली।

ओडिशा के ढेंकनाल से भाजपा सांसद रुद्र नारायण पाणि ने भी बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमले का मुद्दा उठाते हुए कहा कि भारत सरकार को उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करना चाहिए। पाणि ने कहा, बांग्लादेश में हिंदू मंदिरों पर हमला किया गया है और जो तस्वीरें सामने आई हैं, उनमें भगवान जगन्नाथ की मूर्ति पर हमला किया गया है। यह दुर्भाग्यपूर्ण, निंदनीय और दर्दनाक है...। पणि ने पूछा, हिंदू मंदिरों को नुकसान पहुंचाने के पीछे यह कौन सी मानसिकता है? उन्होंने कहा कि इससे न केवल ओडिशा के लोगों को बल्कि पूरे भारत के लोगों को ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा, ह्यह्यभारत सरकार को बांग्लादेश से बात करनी चाहिए, ताकि दोषियों को सजा मिल सके।

असम के दरांग-उदलगुरी से भाजपा सांसद दिलीप सैकिया ने भी बांग्लादेश की स्थिति पर चिंता जताई और सरकार से भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, भारत चाहता है कि बांग्लादेश में शांति बहाल हो। भारत की बांग्लादेश के साथ 4,096 किलोमीटर लंबी सीमा है। उन्होंने कहा कि भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा भारत-पाकिस्तान सीमा की तरह ही मजबूत होनी चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा हो। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से भाजपा सांसद बिष्णु पद रे ने कहा, कांग्रेस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी और तृणमूल कांग्रेस को बांग्लादेश की घटना की निंदा करनी चाहिए, लेकिन वे चुपचाप बैठे हैं।

दुनिया भर के संस्थानों से होगा करार

आईआईटी और सीएसआईआर जैसे संस्थान करेंगे आयुर्वेद में शोध

नई दिल्ली। आयुर्वेद को बढ़ावा देने के लिए आयुष मंत्रालय दुनिया भर के बड़े संस्थानों के साथ शोध के लिए करार करेगा। इसमें आईआईटी और सीएसआईआर से जुड़े तकनीकी संस्थान भी शामिल होंगे। इस कड़ी में शुक्रवार को देश के एक निजी विश्वविद्यालय के साथ आयुर्वेदिक चिकित्सा शिक्षा के शोध और प्रौद्योगिकी से जुड़ा समझौता किया गया। यह एमओयू अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान के साथ हुआ है। इस करार के दौरान अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान की निदेशक डॉक्टर तनुजा नेसारी ने बताया कि आयुर्वेद की चिकित्सा पद्धति को और बेहतर करने के लिए जिस वैज्ञानिक शोध और शिक्षा को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है। वह इससे आगे बढ़ेगी। इस दौरान निजी तकनीकी शिक्षण संस्थान के साथ प्रौद्योगिकी और शोध कार्यक्रमों को बढ़ावा मिलेगा। संस्थान की निदेशक ने बताया कि इस तरीके का करार देश और दुनिया के अलग-अलग तमाम विश्वविद्यालय के साथ आगे भी किया जाना है। अखिल भारतीय आयुर्वेद संस्थान और आयुष मंत्रालय मिलकर भारतीय पुरातन चिकित्सा पद्धति को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से समूची दुनिया में आगे बढ़ा रहे हैं। एआईआईए की निदेशक प्रो. (डॉ.) तनुजा नेसरी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है और ये एमओयू इस दिशा में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। आपसी ज्ञान और शोध को साझा करके हम विकास को बढ़ावा दे सकते हैं। एआईआईए ने आयुर्वेद के क्षेत्र में शोध को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी संस्थाओं और विश्विद्यालयों के साथ 40 एमओयू किए है। उन्होंने कहा कि जिसमें आईआईटी, सीएसआईआर जैसे बड़े संस्थान शामिल हैं। जबकि 17 अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन किए हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569